राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,05 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–70 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेब नहीं, संतरा है सपा, अखिलेश के रायबरेली दौरे में क्यों दो खेमों में बंटी पार्टी?

स्वामी प्रसाद मौर्या और मनोज पांडेय के अलग कार्यक्रम

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रायबरेली के एक दिवसीय दौरे में पार्टी दो खेमों बंटी दिखी। अखिलेश यादव रायबरेली में पार्टी के ही नेताओं के दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की। पहला पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने आयोजित किया था। दूसरा सपा नेता व ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे की ओर से था। सपा के ही दो नेताओं के अलग-अलग कार्यक्रम करना, विधायक और महासचिव पद पर होने के बावजूद एक-दूसरे के कार्यक्रम में ना जाना, ना ही बैनर पर एक दूसरे के नामों का जिक्र होना, सियासी गलियारों में रायबरेली को लेकर चर्चा तेज कर दी।

हालांकि स्वामी प्रसाद और विधायक मनोज पांडे में पुरानी गुटबाजी है। ऐसे में यह देखने वाली बात होगी कि क्या पार्टी के लिए स्वामी प्रसाद और मनोज एक होंगे या रार जारी रहेगी। बहरहाल जो भी हो पर सपा अगर यहां खेमों में

बंटी तो मिशन रायबरेली अखिलेश के लिए चिंता बढ़ा सकती है।

अखिलेश यादव सोमवार को रायबरेली पहुंचे। मान्यवर कांशीराम की मूर्ति का अनावरण कर दलितों को साधा। यह कार्यक्रम स्वामी प्रसाद की ओर से आयोजित किया गया था। वहीं इस कार्यक्रम के पहले सपा नेता व ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे की ओर से जगतपुर में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सहभाग किया और जनसभा को संबोधित किया। पार्टी के ही दोनों नेताओं के कार्यक्रम अलग-अलग हुए। एक दूसरे के कार्यक्रम में दोनों नेता शरीक नहीं हुए और ना ही बैनर पर एक दूसरे के नामों का जिक्र किया गया। पार्टी को एकजुट करने के लिए आए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी को एक नहीं कर सके। दो कार्यक्रम होने से जिले के लोग अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अलग-अलग कार्यक्रमों ने पार्टी को दो खेमों में विभाजित कर दिया है।

क्यों एक-दूसरे के साथ नहीं मनोज और स्वामी

सपा महासचिव स्वामी प्रसाद और सपा विधायक मनोज पांडेय का ऊंचाहार क्षेत्र में दोनों का अपना-अपना अलग-अलग राजनीतिक क्षेत्र है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या का पुराना चुनाव क्षेत्र ऊंचाहार है। पहली बार वह यही से विधायक बने थे। इसी क्षेत्र में उनके खुद के कई शिक्षण प्रतिष्ठान हैं। इन शिक्षण संस्थानों का वह राजनीतिक उपयोग पहले भी करते रहे हैं और अब भी। उन्हें सपा के टिकट पर ही मनोज पांडे ने शिकस्त दी थी। सपा के टिकट से यहीं से तीसरी बार विधायक बने मनोज पांडे भी सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। विधानसभा चुनाव के पहले सपा में स्वामी प्रसाद के शामिल होने पर ही दोनों में रस्साकशी शुरू हो गई थी। टिकट को लेकर भी दोनों में खूब जोर आजमाइश हुई थी। उस वक्त टिकट की यह लड़ाई सपा मुखिया तक भी पहुंची थी। टिकट पाने में मनोज पांडे कामयाब रहे थे।

आवारा कुत्तों के काटने से बचीं पर कार से टकरा गई स्कूटी सवार महिला

ओडिशा। ओडिशा में आवारा कुत्तों से डरकर स्कूटी सवार एक महिला खड़ी कार से टकरा गई। स्कूटी में दो महिलाएं और एक बच्चा सवार थे। इस हादसे में सभी को चोंट आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पांच आवारा कुत्ते स्कूटी का पीछा कर रहे हैं। कुत्तों के डर से महिला का ध्यान आगे नहीं रहता है और स्कूटी कार से टकरा जाती है। देखें हादसे का वीडियो समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, घटना ओडिशा बेरहामपुर शहर की बताई जा रही है। यहां आवारा कुत्तों के काटने से डरी एक महिला ने अपनी स्कूटी सड़क के किनारे खड़ी कार से टकरा दी। स्कूटी पर महिला और एक बच्ची समेततीन लोग सवार थे। हादसे में सभी को चोटें आई हैं। 25 सैकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि आवारा कुत्ते स्कूटी सवार महिला का पीछा कर रहे हैं। कुत्तों के डर से महिला का ध्यान आगे नहीं रहता है और वह स्कूटी को कार से टक्कर मार देती है। टक्कर काफी जोरदार थी। कार से टकराने के बाद महिला और स्कूटी में सवार सभी लोग नीचे गिर जाते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि स्कूटी में सवार सभी लोगों को काफी चोट आई है। स्कूटी में दो महिलाएं और एक बच्चा सवार हैं। टक्कर के बाद जब स्कूटी गिरती है तो कुत्ते वहां से भाग जाते हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

बेंगलुरु से वाराणसी जा रहे 137 यात्री बाल-बाल बचे

इंडिगो के विमान की तेलंगाना में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी समस्या आने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है।दरअसल, बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली फ्लाइट में 137 यात्री सवार थे, जिसकी तकनीकी खराबी के कारण आज सुबह 6.15 बजे तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की गई। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

तकनीकी समस्या के चलते हुई इमरजेंसी लैंडिंग–जानकारी के अनुसार, फ्लाइट जैसे बेंगलुरु से रवाना हुई कुछ देर बाद पायलट को उसमें तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलट ने विमान की तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग की।

बीते दिन भी बेंगलुरू की फ्लाइट में आई थी खराबी–बता दें कि बीते दिन बेंगलुरु से अबू धाबी के लिए उड़ान भरने वाली एतिहाद एयरवेज की फ्लाइट EY237 में भी तकनीकी खराबी आई थी, जिसके तुरंत बाद उसकी वापिस बेंगलुरु के एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करवाई गई।

कैबिन प्रेशर में दिक्कत–दरअसल, जैसे ही फ्लाइट ने टेक-ऑफ किया तो पायलट को अहसास हुआ कि प्लाइट में कुछ दिक्कत है। कैप्टन ने पाया कि विमान के कैबिन प्रेशर में कमी है, जिसके बाद उसने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला किया।

अमेरिका और कनाडा समेत 14 देशों में छिपे हैं भारत के 28 वांछित गैंगस्टर

नई दिल्ली। भारत के 28 वांछित गैंगस्टर 14 विभिन्न देशों में छिपकर भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हैं। केंद्र ने भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने वाले इन वांछित गैंगस्टरों की सूची तैयार की है। सूत्रों ने बताया कि इनमें से नौ कनाडा में और पांच अमेरिका में छिपे हैं। इनके खिलाफ हत्या, जबरन वसूली और अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। इन गैंगस्टरों में मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मास्टरमाइंड सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ शामिल है।

अमेरिका में छिपा है गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु अमेरिका में छिपा है। सूत्रों के मुताबिक, उस पर आतंकी हमला करने और फिल्म व व्यवसाय जगत की प्रमुख हस्तियों की हत्या करने का आरोप है।

कनाडा में छिपे नौ वांछित गैगस्टर–कनाडा में छिपे नौ वांछित गैंगस्टरों में सुखदूल सिंह उर्फ सुखा दुनेके, गुरपिंदर सिंह उर्फ बाबा दल्ला, सतवीर सिंह वारिंग उर्फ सैम, स्रोवर ढिल्लों, लखबीर सिंह उर्फ लांडा, अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श दाला, चरणजीत सिंह उर्फ रिंकू बिहला, रमनदीप सिंह उर्फ रमन जज व गगनदीप सिंह उर्फ गगना हथुर शामिल है।

अमेरिका मे छिपे 5 गैगस्टर–अमेरिका में पांच गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़, अनमोल बिश्नोई, हरजोत सिंह गिल, दरमनजीत सिंह उर्फ दरमन खलों और अमृत बल छिपा बैठा है। विक्रमजीत सिंह बराड़ उर्फ विक्की और कुलदीप सिंह उर्फ नवांशहरिया संयुक्त अरब अमीरात में छिपा हुआ है।

निजी हित में जनहित याचिकाएं लगाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जनहित याचिका पर सुनवाई करते समय अदालतों को इस बात की पड़ताल करनी चाहिए कि क्या इसके पीछे याचिकाकर्ता का कोई निजी हित तो नहीं है। अदालत ने कहा कि व्यक्तिगत, कारोबारी हित या राजनीतिक मकसद से आधारहीन जनहित याचिका दाखिल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने हाल ही में पारित अपने-अपने आदेश में कहा कि निजी, कारोबारी या राजनीतिक मकसद से दाखिल जनहित याचिकाएं न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं, बल्कि न्यायपालिका का कीमती वक्त भी बर्बाद करती हैं। इससे अन्य संस्थानों की विश्वसनीयता को खतरे में डालने और लोकतंत्र व कानून के शासन में जनता के विश्वास को कम होने का खतरा भी रहता है। जनहित याचिका का इस्तेमाल अनुचित और निजी हित के लिए नहीं, बल्कि जनहित के वास्तविक मुद्दों पर आधारित होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि निजी, कारोबारी या राजनीतिक हितों को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते समय सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। कोर्ट ने खुद को सामाजिक कार्यकर्ता होने का दावा करने वाली महिला की याचिका पर यह टिप्पणी की है। इससे पहले, नगर निगम ने मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करते हुए कहा कि जिस संपत्ति में याचिकाकर्ता ने अवैध निर्माण का आरोप लगाया है कि वह पूरी तरह से कानून के तहत नक्शा पास होकर बन रहा है। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम द्वारा पेश स्टेटस रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। ऐसा लगता है कि याचिका दाखिल करने के पीछे निजी हित छिपा है।

सर्दी की वापसी! दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश; पूरे उत्तर भारत में मौसम का अलर्ट

नई दिल्ली। अप्रैल का महीना शुरू हो चुका है और गर्मी अभी दूर-दूर तक महसूस नहीं हो रही है। मानो, सर्दियां वापस आ गई हो। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम राज्यों में एक बार फिर बारिश का अलर्ट है। पूरे एनसीआर में झमाझम बारिश हुई। सड़क पानी से लबालब भरे हैं। कल रात को हरियाणा में तेज बारिश हुई थी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की बात करें तो तेज हवाओं और आंधी के अलावा कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई है। पूरे वेस्ट यूपी का भी यही हाल है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज पूरे दिन समूचे उत्तर भारतीय राज्यों में आंधी-तूफान और गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश

आईएमडी ने कल अलर्ट जारी किया था कि दिल्ली और एनसीआर में तीन और 4 अप्रैल को तेज बारिश हो सकती है। मंगलवार तड़के ही दिल्ली से सटे गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिनभर में बारिश का यह सिलसिला रुक-रुककर जारी रहेगा। वहीं, दिल्ली के भी कई इलाकों में बारिश हुई। यहां भी दिन में बूंदाबांदी की संभावना है।

लौट आई सर्दी!

मौसम विभाग के मुताबिक, तेज आंधी और तूफान के साथ बारिश के कारण एक बार फिर ठंड ने दस्तक दे दी है। वेस्ट यूपी और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में भी आज बारिश की संभावना है। आईएमडी का कहना है कि पश्चिम हिमालयी राज्यों में तीन अप्रैल और 4 अप्रैल को तूफान और गरज के तेज बारिश की प्रबल संभावना है। इससे पहले हरियाणा और पंजाब में कल बारिश हुई। यहां आज भी मौसम खराब होने का अंदेशा है।

उत्तर पूर्वी राज्यों का क्या हाल

उत्तर पूर्वी राज्यों की बात करें तो मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल और सिक्किम राज्यों में पांच अप्रैल तक भारी बारिश और तूफान की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में आज भी मौसम खराब हो सकता है।

अगले पांच दिन गर्मी नहीं

मौसम विभाग का कहना है कि पूरे देश में अगले पांच दिन लू या गर्मी की कोई संभावना नहीं है। अगले पांच दिन उच्चतम और न्यूनतम तापमान सामान्य बना रहेगा।

हुगली में फिर हिंसा, अब रेलवे स्टेशन पर पथराव, हनुमान जयंती से पहले ममता की अपील- हिंदू भाई-बहन रमजान में मुस्लिमों की हिफाजत करें

कोलकाता। सोमवार देर रात हुगली के रिशरा इलाके में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यहां सड़कों पर पत्थर फैले नजर आ रहे हैं। पुलिस हालात का जायजा ले रही है। पश्चिम बंगाल में रामनवमी से शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। हुगली के रिशरा इलाके में सोमवार देर रात रेलवे स्टेशन के बाहर पथराव हुआ। पूर्वी रेलवे के मुख्य PRO कौशिक मित्रा ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात 10 बजे से 1 बजे तक हावड़ा-बैंडल रूट पर सभी लोकल, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया। रिशरा स्टेशन के बाहर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को हिंदू भाई-बहनों से अपील की कि वे रमजान के महीने में मुस्लिमों की रक्षा करें। ममता ने यह अपील 6 अप्रैल को हनुमान जयंती से पहले की है। ममता ने कहा कि मैं 6 अप्रैल के लिए अपने लोगों के लिए अलर्ट जारी करना चाहूंगी। हम बजरंगबली का सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा इस आयोजन की आड़ में दंगे कराने की योजना बना सकती है। वहीं, हुगली में हिंसा के बाद राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने दार्जीलिंग का अपना प्रोग्राम रद्द कर दिया है और कोलकाता के लिए रवाना हो गए हैं। ममता बनर्जी के भतीजे और TMC नेता अभिषेक बनर्जी ने एक वीडियो शेयर करके भाजपा पर हिंसा

फैलाने का आरोप लगाया। इस वीडियो में एक शोभायात्रा दिखाई दे रही है, जिसमें एक युवक हाथ में पिस्तौल पकड़ा हुआ है। इस वीडियो के कैप्शन में अभिषेक ने लिखा कि भाजपाई दंगाबाजी का यही फॉर्मूला है- समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काओ, दंगा भड़काने के लिए हथियार सप्लाई करो, संप्रदायों के बीच तनाव का माहौल बनाओ और राजनीतिक फायदा लूटो।

इसके जवाब में बंगाल भाजपा ने विश्व हिंदू परिषद की शोभायात्रा का ड्रोन वीडियो शेयर करके लिखा कि ये असली वीडियो है, जिसे VHP ने शेयर किया है। अभिषेक बनर्जी ने जो वीडियो पोस्ट किया वो VHP की यात्रा का नहीं है। अभिषेक बनर्जी हिंदुओं को बदनाम कर रहे हैं। धार्मिक लकीरें खींचकर लोगों को बांटने की उनकी कोशिशों की जांच की जानी चाहिए। यह अपराध है।

सुवेंदु अधिकारी का आरोप- राज्य प्रशासन छुट्टियां मनाने में व्यस्त

बंगाल भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि रिशरा रेलवे स्टेशन पर पथराव और बम फेंके जाने की घटना से लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। रैपिड एक्शन फोर्स की कार्रवाई के बाद ट्रेन सर्विस फिर से शुरू हुई। रिशरा सुलग रहा है और पूरा राज्य प्रशासन दीघा में बीच हॉलिडे मना रहा है। आज तो कोई शोभायात्रा नही निकली फिर आज बम क्यों फेंके गए और आग लगाई गई। राज्य सरकार कहती है कि सब ठीक है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में सरकार नाकाम रही है। राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए सिर्फ CRPF की तैनाती ही इकलौता उपाय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सांझ की टीस

हरियाणा के चरखी दादरी की उस घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को व्यथित किया जिसमें संपन्न, पढ़े-लिखे व उच्च अधिकारियों के परिवार के बच्चों की ओर से घोर उपेक्षा के चलते बुजुर्ग मां-बाप ने आत्महत्या कर ली। खबरों के अनुसार, वृद्ध दंपति का आरोप था कि उनके बच्चे तीस करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं और वे रोटी के लिये तरस रहे हैं। महिला की गंभीर बीमारी भी इस संकट का एक पहलू है। वैसे इस घटनाक्रम का विवरण पुलिस रिपोर्ट के आधार पर है और वास्तविक तथ्य तो जांच के बाद सामने आएंगे। लेकिन एक बात तो तय है कि यह मामला सिर्फ मां-बाप की भूख का ही नहीं है। निस्संदेह, यह मामला हमारे बदलते परिवेश में जीवन मूल्यों के क्षरण का भी है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर बीमारियों का घर बन जाता है। जीवन के अंतिम चरण का भय, अनुकूल परिस्थितियां न होने से व्यक्ति में उपजा तनाव कालांतर अवसाद व झुंझलाहट को जन्म देता है। यह भी एक तथ्य है कि पुरानी पीढ़ी लगातार बदलते परिवेश में नई पीढ़ी के बच्चों के साथ सामंजस्य बनाने में असहज नजर आती है। ऐसे ही नई पीढ़ी भी पुरानी पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप सामंजस्य नहीं बना पा रही है। बच्चे नौकरी, अपने परिवार के दायित्वों व पत्नी की पसंद-नापसंद से द्वंद्व करते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर परंपरागत भारतीय समाज में माता-पिता उस सोच से मुक्त नहीं हो पाये हैं कि बेटा तो अच्छा, बहू खराब है, बेटी तो अच्छी मगर दामाद खराब है। दरअसल, बुजुर्गों को ढलती उम्र के साथ ही योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ना चाहिए। सेवानिवृत्ति से पहले ही आगे के जीवन के लिये कारगर योजना बनानी चाहिए। अपने स्वास्थ्य की प्राथमिकता तय करनी चाहिए। यह बात दिमाग में रखनी चाहिए कि ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापे में बच्चों का सहयोग न मिले। गांठ का पैसा व सेहत का धन उम्र-दराज होने पर काम आ सकता है। इसके अलावा समय के हिसाब से पुरानी पीढ़ी को भी नई पीढ़ी के साथ सामंजस्य बनाना चाहिए। उन्हें अपने बच्चों के घर-परिवार के साथ हाथ बंटाना चाहिए। वक्त की सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए। यह मान लें कि अब वो पीढ़ी नहीं रही जो सेवक की तरह सेवा करने में विश्वास करती हो। इस तथ्य को मां-बाप को गारंटी मानकर नहीं चलना चाहिए कि जिन बच्चों को पाला-पोसा, पढ़ाया-लिखाया वे बुढ़ापे में सेवा करेंगे ही। इसलिये बुजुर्गों को हाथ-पैर चलने तक अपना ख्याल खुद रखना चाहिए। प्रौढ़ता के साथ यह सोच लेना चाहिए कि बच्चों से तालमेल न बनाया तो वृद्धाश्रम की राह पकड़नी पड़ सकती है। हालांकि, भारतीय जीवन दर्शन के अनुरूप ओल्ड ऐज होम का विचार मेल नहीं खाता। माता-पिता भी आत्ममंथन करें कि बेटे-बेटियां यदि आपकी परवरिश से कतरा रहे हैं तो कहीं उनके लालन-पालन में आप से भी कोई कमी जरूर रह गई है। बहुत संभव है कि आपका व्यवहार अपने माता-पिता के प्रति ऐसा न रहा हो, जिससे बच्चे प्रेरित हुए हों।

अंतरिक्ष में इसरो के बढ़ते कदम

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

विशेष लेख/ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) अंतरिक्ष की दुनिया में निरन्तर नए-नए इतिहास रच रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इसरो के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं और अब इसरो ने पिछले दिनों कुल 5805 किलोग्राम वजनी 36 उपग्रह एक साथ लांच कर एक बार फिर नया इतिहास रच दिया। इसरो के बाहुबली कहे जाने वाले सबसे भारी भरकम प्रक्षेपण यान 'एलएमवी3' (लांच व्हीकल मार्क-3) ने ब्रिटिश कम्पनी के इन उपग्रहों को लेकर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से उड़ान भरी और इन उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) पर लांच कर दिया। इसरो द्वारा इस रॉकेट मिशन कोड का नाम एलएमवी3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन रखा गया था। रॉकेट लांच होने के 19 मिनट बाद ही उपग्रहों के अलग होने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी और सभी 36 उपग्रह अलग-अलग चरणों में पृथक हो गए। लो अर्थ ऑर्बिट पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा होती है और ब्रिटेन (यूके) स्थित नेटवर्क एक्सेस एसोसिएटेड लिमिटेड (वनवेब) के 36 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने के बाद अब पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के समूह की पहली पीढ़ी पूरी हो गई है। इस सफल अभियान से दुनिया के प्रत्येक हिस्से में स्पेस आधार ब्रॉडबैंड इंटरनेट योजना में मदद मिलेगी। इस वर्ष फरवरी माह में एसएसएलवी-डी2/ईओएस07 मिशन के सफल लांच के बाद इसरो का यह दूसरा सफल लांच था। इसरो का 43.5 मीटर लंबा और 643 टन वजनी भारतीय रॉकेट एलएमवी3 अब तक चंद्रयान-2 मिशन सहित पांच सफल उड़ानें पूरी कर चुका है और 26 मार्च को इसकी छठी सफल उड़ान थी। एलएमवी3 को पहले जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल एमके3 (जीएसएलवी एमके3) के नाम से जाना जाता था।

ब्रिटिश स्टार्टअप कम्पनी वनवेब में भारती एंटरप्राइजेज (एयरटेल) भी शेयर होल्डर है और वनवेब के 36 उपग्रहों की यह अंतिम किस्त थी। वनवेब के पास अभी तक अंतरिक्ष की कक्षा में 582 उपग्रह थे और अब इसरो का यह मिशन सफल होने के बाद भारत के भारती एंटरप्राइजेज और यूके सरकार की ओर से समर्थित ब्रिटेन की कम्पनी वनवेब के पास अंतरिक्ष में परिक्रमा करने वाले 618 उपग्रह हो गए हैं। वनवेब जेन-1 सैटेलाइट 150 किलोग्राम वर्ग के हैं। 26 मार्च को इसरो द्वारा लांच किए गए 36 उपग्रह वनवेब के लिए 18वां लांच था। वनवेब के मुताबिक इन उपग्रहों के जरिये वनवेब भारत सहित वैश्विक कवरेज देने में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। वनवेब के उपग्रह प्रक्षेपणों के जरिये भारत के विभिन्न उपक्रमों के अलावा स्कूलों, गांवों, नगर निगमों, कस्बों सहित उन क्षेत्रों में भी सुरक्षित सम्पर्क की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी, जहां फिलहाल पहुंच बनाना मुश्किल है। तारामंडल में 648 अलग-अलग उपग्रह शामिल हैं, जिनमें से 588 सक्रिय उपग्रह 12 विमानों में समान रूप से अलग होकर पृथ्वी की सतह से करीब 1200 किलोमीटर की ऊंचाई पर संचालित होते हैं। अंतर-विमान टकराव को रोकने के लिए प्रत्येक विमान को ऊंचाई में 4 किलोमीटर से अलग किया जाता है। पेलोड एक बेंट-पाइप सिस्टम है, जो कू और के बैंड में काम करता है। फॉरवर्ड लिंक गेटवे से के-बैंड सिग्नल को उपग्रह के एंटीना के माध्यम से प्राप्त करता है। इसरो के मुताबिक वापसी लिंक उपग्रह के एंटीना के माध्यम से उपयोगकर्ता टर्मिनलों (यूटी) से केयू-बैंड सिग्नल प्राप्त करता है।

वनवेब का इसरो की वाणिज्यिक शाखा 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) के साथ कुल 72 उपग्रह लांच करने का एक हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की लांच फीस का करार हुआ था, जिसमें से एक पिछले साल पूरा हो हो गया था, जब एलएमवी3 रॉकेट से ही इसरो ने 23 अक्तूबर 2022 को वनवेब के 36 उपग्रह लांच किए थे। अब फिर से इसी भारी भरकम रॉकेट से दूसरी बार इसी निजी कम्पनी के 36 उपग्रह सफलतापूर्वक लांच किए गए हैं और इस प्रकार एलएमवी3 की सफलता दर सौ फीसदी है। एलएमवी3 तीन चरणों वाला रॉकेट है, जिसमें पहले चरण में तरल ईंधन, ठोस ईंधन द्वारा संचालित दो स्ट्रैप-ऑन मोटर, तरल ईंधन द्वारा संचालित दूसरा और क्रायोजेनिक इंजन होता है। इसरो के इस भारी भरकम रॉकेट की क्षमता एलईओ तक 10 टन और जियो ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक चार टन वजन ले जाने की है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक एलएमवी3 रॉकेट में गगनयान मिशन के लिए जरूरी लांचरों की ही भांति एस200 मोटर्स लगाए गए थे। एलवीएम3-एम3 रॉकेट में एस200 मोटर्स भी हैं, जिन्हें बढ़े हुए मार्जिन और विशेषताओं के साथ डिजाइन किया गया है और यह गगनयान कॉन्फिगरेशन के अनुकूल हैं। इसरो प्रमुख के अनुसार इस रॉकेट में और भी कई सुधार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य इसे अन्य चरणों और प्रणालियों में भी मानव-रेटेड बनाना है।

वनवेब के लिए इसरो के इस सफल मिशन के बाद वर्ष 1999 से लेकर अब तक अंतरिक्ष में भारत की ओर से लांच किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या 422 हो गई है। इसरो के भविष्य के मिशनों के बारे में इसरो प्रमुख का कहना है कि इसरो के वैज्ञानिक अप्रैल में एक ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के व्यावसायिक प्रक्षेपण की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही अगले लांच अभियान के लिए तैयार हो रहे हैं। इसरो की अगले साल जून में चंद्रयान-3 मिशन को चंद्रमा पर लांच करने की योजना को भी मूर्त रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत गगनयान मिशन में तीन सदस्यों के एक दल को तीनदिवसीय मिशन के लिए 400 किलोमीटर की कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन को 2024 की चौथी तिमाही में लांच करने का लक्ष्य रखा गया है। एस सोमनाथ का कहना है कि वह गगनयान मिशन की दिशा में हो रही प्रगति को देखकर काफी प्रसन्न हैं। भारत ने अपने ही बलबूते पर लंबे समय से अंतरिक्ष में अपनी पैठ बनाने में कई स्तरों पर बेहतरीन प्रयोगों और उसमें सफलता के जरिये स्वयं को एक मजबूत केन्द्र के रूप में विश्व के समक्ष साबित किया है। भारत ने विश्व के अन्य देशों के मुकाबले विशेष रूप से विज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर उच्चस्तरीय कार्यों के जरिये वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में बेहतर और सुरक्षित विकल्प पूरी दुनिया को दिया है। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने के मामले में कई देशों और अतंरिक्ष कम्पनियों का भरोसा अब इसरो की वाणिज्यिक शाखा पर बढ़ रहा है।

बहरहाल, अंतरिक्ष की दुनिया में इसरो जिस प्रकार लगातार सफलता का परचम लहरा रहा है, उससे अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में विश्वभर में भारत का दबदबा और मान निरन्तर बढ़ रहा है। इसरो के ऐसे सफल मिशनों की बदौलत भविष्य में इसरो को आर्थिक लाभ तो होगा ही, अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में पूरी दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों का दम भी देखेगी और इससे दुनिया के छोटे देश भी अपने अभियानों के लिए भारत की ओर आकर्षित होंगे, जो निश्चित रूप से भारत की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। इसरो ने वनवेब के 36 उपग्रहों के साथ एलवीएम-3 की नवीनतम उड़ान से जरिये अब जो उपलब्धि हासिल की है, उससे भी अंतरिक्षीय प्रयोगों के मामले में दुनिया की नजर में भारत की अहमियत एक बार फिर से स्थापित हुई है। एक तरफ जहां अमेरिका सहित कई देशों के अंतरिक्ष मिशनों को झटके लगते रहे हैं और उनका अंतरिक्ष कार्यक्रम पिछड़ रहा है, वहीं इसरो लगातार सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। यही कारण है कि अपने उपग्रहों के अतंरिक्ष में प्रक्षेपण के लिए दुनिया अब बड़ी उम्मीदों से इसरो का रूख कर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक हैं)

आज का राशिफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने का वक्त

सुरेश सेठ

आम नागरिक यदि परेशान है तो यह सुशासन नहीं है। 'अहिंसा परमो धर्म-' व 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसे संदेश तो जैसे हवा होते नजर आ रहे हैं। यदि माफिया डॉन, तस्करों और आतंकवादियों का बोलबाला नजर आए तो चुनौतियों से जूझते आम आदमी की जिंदगी और भी कठिन हो जाती है। पिछले दिनों पंजाब में केन्द्र से आई बटालियनें और पंजाब पुलिस सीमांत प्रांत में राष्ट्रीयता के लिए जूझती नजर आईं। राष्ट्रीय संप्रभुता को चुनौती देती सशस्त्र कोशिश आम आदमी को परेशान करती है। लेकिन इसके बावजूद चुनौती देने वाले का बच निकलना भी चिंता की बात है। वहीं उत्तर प्रदेश में माफिया डान को सजा बताती है कि चुनाव आयोग की चिंता के बाद कैसे ये लोग जनप्रतिनिधि संस्थाओं में पहुंच जाते हैं? सवाल यह कि कैसे आरोपितों को जनप्रतिनिधि बनने से रोका जाना चाहिए। खैर, आम आदमी की इच्छा तो यही है कि राज्य में शांति स्थापित हो, देश में अहिंसा के मूल्य सामने आएं। चाहे अमृतपाल हो या अतीक अहमद, माफिया डॉनों का हाथ आम जिंदगी के ऊपर नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद लोग प्रशासन-शासन की कार्यक्षमता में विश्वास के साथ अच्छे दिनों की आस रखते हैं। नैतिक मूल्य पुन-स्थापित होंगे। सवाल ये है कि जिन अपराधियों की जगह जेल है, वे हमारी संसद और विधानसभाओं में क्यों पहुंचते हैं? पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद यहां जो बंदूक कल्चर और फिरौती का माहौल दिखा है, यह माहौल खत्म होना चाहिए। माफियागीरी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जॉर्ज बर्नार्ड शा का यह कथन कि राजनीति बदमाशों और गुंडों का अंतिम शरणस्थल है, यह समाप्त हो। कानून व्यवस्था सुधरे ताकि शांति की स्थापना समाज में हो। फिलहाल पंजाब ने राहत की सांस ली है। इससे पहले पंजाब की शांति को भंग करने के लिए कुछ अलगाववादी उतारू थे। कट्टरता व सांप्रदायिकता के खिलाफ जिस तरीके से पंजाब के नागरिकों ने प्रतिक्रिया दी, उससे विश्वास जगा कि पंजाब में सामान्य जिंदगी चलती रहेगी। अब इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आम आदमी की रोटी, कपड़े और मकान आदि की समस्या की ओर अधिक ध्यान दिया जाए। इसी संदर्भ में जहां हम प्रशासन से निष्पक्ष रूप से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, राजनीतिज्ञों से वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर आम आदमी को बेहतर जीवन देने के लिए प्रतिबद्धता की उम्मीद करते हैं। वहीं न्यायपालिका ने सजगता से बिलकीस बानो के मामले में गुजरात सरकार, केन्द्र व दोषियों को जो नोटिस दिया है, उसने न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय से दोषियों की रिहाई की अनुमति से जुड़ी फाइल मांगी गई है। बिलकीस बानो ने याचिका में कहा था कि दोषियों की समय से पहले रिहाई उसके व परिवार के लिये घातक है। बेशक विद्रूप का माहौल एक दिन में नहीं बदलेगा लेकिन शासन की इच्छाशक्ति व जन जागरूकता से तस्वीर बदलेगी। लोग शांति से जीना चाहते हैं और माफिया, आतंकी गठजोड़ों को और बर्दाश्त करने के लिए अभी तैयार नहीं हैं। बहरहाल, सरहदी राज्यों में शासन-प्रशासन में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन अपरिहार्य है। हाल ही की तो स्थिति ऐसी आदर्श नहीं है, जो वक्त की जरूरत है। आम आदमी के लिये वैसी नहीं है, जैसी कि भाषणों में उसे मिलती है। इसीलिए भाषणों, दावों और आंकड़ों की इस दुनिया से परे जाकर आम आदमी को वह जिंदगी मिलनी चाहिए जिसका वादा हमारे नीति-नियंता करते हैं। लेकिन जब तक कानून और व्यवस्था के अहलकार अभियुक्तों को जब तक सख्त दंड देने के लिये प्रतिबद्ध नहीं होते तब तक आम आदमी बार-बार मोहभंग की स्थिति में आता रहे तो इसमें हैरानी क्या? हमारे आसपास जो घट रहा है और जैसी नकारात्मक खबरें आती हैं, वे परेशान करने वाली हैं। रिश्तों की मौत हो रही है। नशे से ग्रस्त युवा पीढ़ी अपनी पत्नी, बच्चों और मां-बाप तक की हत्याएं करने से चूक नहीं रही। अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं व्यवस्था सुधर जाने के सभी दावों के बावजूद बार-बार घटती नजर आती हैं। ऐसी स्थिति में अगर जो अपराधी है, उसे तत्काल दंड न मिले तो आम नागरिक का भरोसा राष्ट्र व्यवस्था में बनता नहीं। अभी तो स्थिति यह है कि अपराधी गिरफ्त में आने के बावजूद अदालतों में तारीख-दर-तारीख और जांच प्रक्रिया बार-बार स्थगित होने की आड़ में बच निकलते हैं। इनकी बेशर्मी तो देखिए कि ये चुनाव प्रक्रिया में कूदकर क्रांतिकारी होने का दम भी भरते हैं। यह स्थिति बदलनी चाहिए। हमारे शासन प्रशासन का दायित्व है कि आम आदमी का भरोसा कानून-व्यवस्था में स्थापित करने की ईमानदार कोशिश करे। पिछले दिनों में घटी घटनाएं, चाहे अतीक अहमद की हों या अमृतपाल की, आम आदमी को आगाह करती हैं। आमजन चाहता है कि ये दिन अब और न रहें, इन्हें झेलना मुश्किल हो रहा है।

लेखक साहित्यकार हैं।

विचार मंथन

भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए, दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढा भ्रष्टाचार

(लेखक- सनत जैन)

भारत में हम दोहरा आचरण जीने के आदी हो गए हैं। कथा कहानियों की तरह बातें सुनते हैं। मन में सपने बुनते हैं, और भूल जाते हैं। पर उपदेश कुशल बहुतेरे की तर्ज पर, हम नैतिकता की वह सब बात कहते और सुनते हैं। जो कहने और सुनने में अच्छी लगे। जब उन्हें आचरण में लाने की बात होती है। तब उसके ठीक विपरीत आचरण करते हैं। यही हाल भ्रष्टाचार को लेकर है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई कानून बनाए गए। कई एजेंसियां बनाई गई। लेकिन भ्रष्टाचार रुका नहीं उल्टा तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। मुंबई के झपटमार लोगों के सामान को छीनकर भागते थे। स्वयं को बचाने के लिए चोर चोर चिल्लाते थे। भीड़ उसके पीछे दौड़ती थी। लोग यह समझते थे, कि वह चोर के पीछे भाग रहे है। लेकिन चोरों का गैंग जो कुछ ही दूरी पर खड़ा होता था। झपटी हुई चीज उनकी और फेंककर चोर चोर चिल्ला कर भागने वाला थोड़ी दूर जाकर कहता था चोर भाग गया। इससे वह साफ-साफ जाता था, पब्लिक का हीरो भी बन जाता था। उसने झपटमार को पकड़ने के लिए बड़ी मेहनत की। भारत में इसी तरह की स्थिति भ्रष्टाचार और धर्म को लेकर इन दिनों देखने मिल रही है। जो लुटेरे हैं, चिल्ला चिल्ला कर वह लोगों को झांसे में डालते हैं। वही चोर चोर चिल्लाने` र भ्रष्टाचार खत्म करने का दंभ भरते हैं। लेकिन लोगों की नजरें बचाकर वही सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार और अनैतिक काम करते हैं। पब्लिक भी इस दौहरे आचरण का शिकार हो गई है। जो जितनी जोर से चिल्लाता है। जनता उस पर उतनी ही तेजी के साथ विश्वास करती है। चोर चोर चिल्लाने वाले को ईमानदार मान लेती है। जबकि चोर चोर चिल्लाकर वही व्यक्ति सबसे बड़ी चोरी कर लेता है। कुछ इसी तरीके की स्थिति आजकल धर्म के मामले में भी देखने को मिलने लगी है। धर्म के जो गुण होते हैं। उन्हें अपनाकर ही धार्मिक व्यक्ति बना जा सकता है। धर्म के नाम पर सभी चिल्लाते तो बहुत है,लेकिन उनका कोई आचरण धार्मिक नहीं होता है। जिस धर्म पैदा हो गए उसी धर्म के मान लिए गए। बिना कुछ किए बहुत कुछ पाने की लालसा समाज में अनैतिकता फैला रही है। सरकार और समाज जो भी नियम कायदे कानून बनाता है। उनका बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार होता है। लेकिन वह आचरण से कोसों दूर होते हैं। भौतिकवादी युग में हर व्यक्ति भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बिना कुछ करे धरे पाने की चाहत रखता है। जिसके कारण पाखंडियो पर विश्वास करने लगती है। रही सही कसर अब गुंडागर्दी ने पूरी कर दी है। ताकत के बल पर लोगों को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति पुनः हमें हजारों साल पुराने इतिहास की ओर ले जा रही है। जिसके कारण बीमारी बढ़ती ही जा रही है।हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीबीआई की हीरक जयंती समारोह में कहा, कि किसी भ्रष्टाचारी को बचना नहीं चाहिए। सारे बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी खुलेआम घूम रहे हैं। जो पकड़े जाते हैं, वह नौसिखिया छोटे-छोटे भ्रष्टाचारी होते हैं। जो 1000- 500 की रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं। गिरफ्तार भी होते हैं,उन्हें सजा भी मिलती है। जनता यह सब देखती है, जनता सब जान भी रही है। इसके बाद भी जनता मौन है। यह इसलिए संभव हो पा रहा है,कि हर व्यक्ति अपनी भौतिक सुविधाओं की होड़ में, बिना कुछ किए ज्यादा से ज्यादा देने की जो बात करता है। सारी भीड़ उसके पीछे भागना शुरू कर देती है। चोर लुटेरे बदमाश सत्ता में बैठने वाले इस तथ्य को अच्छी तरीके से जानते हैं। पब्लिक को कैसे अपने पीछे दौड़ाना है। सपने दिखाते रहो नए-नए सपने गढ़ते रहो जनता सपने देखती रहेगी सपने देखने के लिए अब सोते- जागते सपने ही दिखते हैं। करना कुछ नहीं पड़ता है। सपने ही सुखद अनुभूति कराते हैं। कर्मफल के स्थान पर अब स्वप्न फल ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व बैंक की रिपोर्ट में 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी दर 6.3 प्रतिशत आंका गया

नई दिल्ली । विश्व बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी 2023-24 में 6.3 प्रतिशत तक नीचे आने की संभावना है। वर्ल्ड बैंक ने इससे पहले 6.6 प्रतिशत का अनुमान लगाया था। मुख्य रूप से ऋण की ऊंची कीमत के चलते खपत में गिरावट आई है। पिछले साल मई से भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में, विश्व बैंक ने कहा कि खरीदने की कम क्षमता के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण बाहरी कारकों के कारण आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावना है। ऋण की बढ़ती लागत और धीमी आय वृद्धि निजी उपभोग वृद्धि पर असर डालेगी और महामारी से संबंधित राजकोषीय समर्थन उपायों को वापस लेने के कारण सरकारी खपत धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का चालू खाता घाटा भी 2023-24 में घटकर 2.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि 2022-23 में यह 3 प्रतिशत था। मुद्रास्फीति पर विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह चालू वित्त वर्ष में 5.2 प्रतिशत तक कम होने की संभावना है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 6.6 प्रतिशत थी।

कच्चा तेल महंगा, पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 84.96 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच मंगलवार सुबह कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। वै श्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इसका असर सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिख रहा है। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में तेल के दाम बदल गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 23 पैसे सस्ेता होकर 96.77 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 20 पैसे गिरकर 89.94 रुपये लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 96.57 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 10 पैसे चढ़कर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे महंगा हुआ और 97.10 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 89.96 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे चे तेल की कीमतों में और तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 84.96 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्े ल्यूटीआई भी वै श्विक बाजार में चढ़कर 80.53 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई गवर्नर 6 अप्रैल को समिति के फैसले की घोषणा करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक आज सोमवार को शुरू हुई जो लगातार तीन दिन चलेगी। ऐसा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की और वृद्धि का फैसला कर सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इसके साथ ही मई, 2022 से शुरू हुआ ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला थम जाएगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक 3-6 अप्रैल के दौरान विभिन्न घरेलू और वैश्विक कारकों पर विचार किया जाएगा। इसके बाद वित्त वर्ष 2023-24 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा की जाएगी. आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास गुरुवार को छह सदस्यों वाली समिति के फैसले की घोषणा करेंगे। एमपीसी में आरबीआई के तीन अधिकारी और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त तीन बाहरी सदस्य होते हैं। इस बैठक में एमपीसी खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि और विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा हाल में की गई कार्रवाई पर खासतौर से विचार करेगी। केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू में करने के लिए मई, 2022 से रेपो दर में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर चुका है। इसके बावजूद मुद्रास्फीति ज्यादातर समय रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक गुरुवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि करेगा और शायद इसके साथ ही ब्याज दर में बढ़ोतरी का सिलसिला थम जाएगा।

आयकर विभाग की नजर 89 कंपनियों पर

- ब्लैकमनी के खेल में 100 करोड़ की चोरी का है मामला

नई दिल्ली । आयकर विभाग की नजर इस समय टैक्स चोरों पर लगी हुई है। हाल ही में आयकर विभाग को टैक्स चोरी का पता चला है. जिसमें 89 कंपनियां आईटी विभाग की रडार पर हैं। इसमें 100 करोड़ की ब्लैक मनी का मामला सामने आ रहा है। जानकारी मिलने के बाद से आयकर विभकि स क्रिय हो गया है और इन टैक्स चोरों पर लगाम लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। बता दें कि आयकर विभाग के मुताबिक 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के हेर-फेर मामूली लेन-देन के जरिए किए गए हैं। खास बात ये है कि ये सभी ट्रांजक्शन विदेश से किए गए हैं। आयकर विभाग को 2019-20 और 2020-21 के दौरान होने ये ट्रांजेक्शन होने का शक है। रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने इस मामले से जुड़े सभी लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। उनसे पूछा जा रहा है कि ये लेन-देन क्यों और किस वजह से हुए हैं। इन ट्रांजेक्शन की सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि ये सभी लेन-देन 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के हैं और इनमें आयकर विभाग का शक जताया जा रहा है और तीसरी शक पैदा करने वाली बात ये है कि ये सभी ट्रांजेक्शन विदेश से किए गए हैं. जिस पर संबंधित लोग अब तक उचित ब्यौरा नहीं दे पाए हैं। उचित ब्यौरा न दे पाने के कारण उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

एसबीआई लाइफ ने राजस्थान रॉयल्स के साथ की साझेदारी

धर्मशाला ।

देश के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के 2023 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के साथ अपने लीड हेलमेट पार्टनर के रूप में साझेदारी की घोषणा की है।साझेदारी के हिस्से के रूप में एसबीआई लाइफ के लोगो को 2023 में सभी मैचों के दौरान राजस्थान रॉयल्स के हेलमेट पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।राजस्थान रॉयल्स फ्रैंचाइजी के साथ एसबीआई लाइफ का यह महत्वपूर्ण गठजोड़ प्लेग्राउंड पर हेलमेट द्वारा निभाई गई सुरक्षा की भूमिका को दर्शाता है जो जीवन में बीमा के समान है दोनों अनिवार्य रूप से व्यक्तियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए संबल के रूप में कार्य करते हैं।हेलमेट क्रिकेट में सबसे अधिक दिखाई देने वाले एसेट में से एक है।इस तरह हेलमेट पर लगा एसबीआई लाइफ का लोगो प्रतीकात्मक रूप से जीवन में बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है।सबसे ज्यादा देखे जाने वाले क्रिकेट लीग में से एक में शामिल होना ब्रांड के लिए आज के उपभोक्ता के साथ एक मजबूत बंधन स्थापित करने और बीमा की आवश्यकता पर प्रभाव डालने के लिए शुभ संकेत देता है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के ब्रांड कॉपरिट कम्युनिकेशन और सीएसआर के प्रमुख रवींद्र शर्मा ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा हमारे जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में एसबीआई लाइफ सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में दिल से रॉयल एंट्री कर रहा है।हम एक रक्षक के रूप में लोगों को यह बताते हैं कि उनके जीवन में बीमा की आवश्यकता क्यों महत्वपूर्ण है। साथ ही हम प्रतीकात्मक रूप से हेलमेट के जरिये यह संदेश देना चाहते हैं कि जिस तरह हेलमेट किसी खिलाड़ी की सुरक्षा करता है और उसे मुश्किलों को लेकर चिंता किए बिना खेलने में सक्षम बनाता है उसी तरह एसबीआई लाइफ भी लोगों के जीवन में आने वाले उतार.चढ़ाव को लेकर उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है।एसबीआई लाइफ में हम ऐसे बीमा समाधान के माध्यम से समाज को बदलने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं जो लोगों को अपनी जरूरतों और आकांक्षाओं को हासिल करके अपने सपने को

पूरा करने में मदद करते हैं। एसबीआई लाइफ के जीवन बीमा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा,बचत और निवेश के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिससे ग्राहक आत्मविश्वास और मन की शांति के साथ अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।

कैपिटल फूड्स को खरीदने आईटीसी और नेस्ले जैसी कंपनियों में मची होड़

नई दिल्ली ।

चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड्स के तहत कॉन्डीमेंट्स फूड प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी कैपिटल फूड्स बिकने जा रही है। इस कंपनी को खरीदने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में होड़ मची है। टाटा, नेस्ले, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, क्रॉफ्ट हाइंज, आईटीसी, ओरक्ला और निसिन फूड्स जैसी बड़ी कंपनियों में होड़ मच गई है। एक मीडिया खबर के मुताबिक कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए बड़ी कंपनियों में जबरदस्त होड़ मची है। कैपिटल फूड्स के तीन शेयरहोल्डर्स यूरोपियन फैमिली ऑफिस एंड इनवेस्टमेंट इनवस, अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी ग्रुप जनरल एटलांटिक और कंपनी के चेयरमैन अजय गुप्ता की हिस्सेदारी है। तीनों की हिस्सेदारी क्रमशः 40, 35 और 25 फीसदी है। कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां आमने-सामने हैं। नेस्ले, टाटा समूह, आईसीटी, एचयूएल, जापान की बड़ी नूडल्स कंपनी निसिन, नार्वे की कंपनी ओरक्ला और दुनिया की बड़ी फूड और बवरेजेज कंपनी हाइंड के बीच सीधी टक्कर हो रही है। कंपनी चिंग्स सीक्रेट इंस्टेंट चाइनीज नूडल्स, सूप, मसालें, पेस्ट, फ्रोजन प्रोडक्ट, फूड पेस्ट, सॉस जैसे प्रोडक्ट्स बेचती है। कैपिटल फूड्स जो आपको घर पर चाइनीज फूड बनाने के लिए सीक्रेट मसाले और सॉस उपलब्ध करवाती है, उसके लिए दिग्गज कंपनियों में भिड़त होने वाली है। माना जा रहा है कि मई 2023 में नॉन बिड्स शुरु हो सकती है। इस कंपनी की शुरुआत साल 1995 में अजय गुप्ता ने की थी। कुछ ही वक्त में कंपनी ने मार्केट में अपनी पैठ बना ली। अजय ने देसी चाइनीज सेगमेंट और इटैलियन फूड्स सेगमेंट की शुरुआत की थी। फिर अचानक से बीते साल कंपनी को बेचने की खबर आई। सबसे पहले 14 नवंबर को सबसे पहले ये खबर सामने आई की कंपनी बिकने जा रही है।

जिसके बाद कई राउंड्स की बैठक हुई। कई कंपनियों के साथ शुरुआती दौर की बैठक हो चुकी है। अब टाटा समेत दुनियाभर की बड़ी कंपनियों के बीच इसे खरीदने के लिए कांप्टीशन शुरु हो गया है।

चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी: वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट सार्वजनिक की। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि भारत में महंगाई बढ़ी है लेकिन खाने-पीने के सामान और ईंधन के दामों को काबू में रखने की वजह से ज्यादा असर नहीं है। महामारी के बाद एक बार फिर बाजार में सुधार हो गया है लेकिन विनिर्माण और निर्माण कार्य वाले क्षेत्रों में गई नौकरियों में महामारी पूर्व का स्तर अभी तक नहीं आ पाया है। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी विकास दर 6.3 प्रतिशत होगी। महंगाई दर के गिरने की उम्मीद है। बता दें कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। इस दौरान कुछ रिस्क दिखाई जान पड़ रहे हैं। माना जा रहा है कि अमेरिका और यूरोप के वित्तीय क्षेत्र में आए भूचाल का असर भारत पर भी पड़ेगा। वर्ल्ड बैंक ने आज भारत से संबंधित इंडिया डेवेलेपमेंट अपडेट रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि भारत का विकास कुछ लचीला बना रहेगा, हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था में महामारी के बाद सुधार के कई कारक दिखाई पड़ते हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं लेकिन भारत तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाए हुए हैं।

एलन मस्क ने ट्विटर का लोगो बदला

वाशिंगटन ।

जब से ट्विटर को एलन मस्क ने खरीदा है तब से ही इस सोशल प्लेटफॉर्म पर कुछ हैरान परेशान करने वाले बदलाव हुए हैं। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है। जानकारी के मुताबिक आधी को एलन मस्क ने ट्विटर के लोगो को बदल दिया है। अब तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लोगो ब्लू बर्ड (चिड़िया) होती थी। इसे बदल कर डॉज कर दिया गया है। कंपनी ने सोमवार की रात को अपने लोगो में यह बदलाव किया है। एलन मस्क अक्टूबर 2022 में 44 बिलियन डॉलर की डील के साथ ट्विटर के मालिक बने थे। इसके बाद कंपनी में कई बदलाव किए गए हैं। हाल-फिलहाल में यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पेड ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन को लेकर चर्चा में था और अब लोगो बदले जाने का मामला सामने आया है। इस अचानक हुए बदलाव से ट्विटर यूजर्स हैरान हैं। कुछ यूजर्स को यह डॉगक्वाइन का लोगो लग रहा है। बता दें कि डॉगक्वाइन एक क्रिप्टोकरेंसी है और ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क इसके पक्षधर रहे हैं। वहीं कई यूजर्स का ये भी कहना है कि ट्विटर का नया लोगो काफी हद तक एलन मस्क के पेट डॉग की तरह है। इसके अलावा कुछेक साइबर अटैक की आशंका जाहिर

कर रहे हैं। ट्विटर द्वारा अपनी वेबसाइट और मोबाइल ब्राउजर पर लोगो को बदलने के बाद लोकप्रिय क्रिप्टो डॉगकॉइन की कीमत महज कुछ ही घंटों में 20 फीसदी फैल गई। डॉगकॉइन को मेमेकॉइन भी कहा जाता है। एलन मस्क लंबे समय से डॉगकॉइन का प्रचार कर रहे हैं। उनके ट्वीटर ने इस अतिक्रमण की कीमत को काफी प्रभावित किया है। फरवरी में एलन मस्क ने ट्वीट किया था।

अब कच्चे तेल पर नहीं लगेगा विंडफॉल टैक्स, डीजल पर भी टैक्स में कटौती

नई दिल्ली ।

अब कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को केंद्र सरकार ने समाप्त कर दिया है। इस बारे में सरकार की ओर से एक नोटिफिकेशन जारी कर` दिया गया है। बताया गया कि इसे मंगलवार 4 अप्रैल से लागू भी कर दिया गया है। इसके पहले कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 3,500 रुपए (42.56 डॉलर) प्रति टन रखा गया था। इसके साथ ही डीजल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स 1 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 0.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। फिलहाल, पेट्रोलियम और एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर कोई भी विंडफॉल टैक्स नहीं लगाया गया है। जुलाई 2022 में पहली बार कच्चे तेल पर 23,250 रुपए प्रति टन का विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। 21 मार्च 2023 को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 3,500 रुपए प्रति टन कर दिया था। सरकारी की ओर से यह फैसला एक ऐसे समय पर आया है, जब दो दिन पहले ही ओपेक प्लस समूह के देशों ने कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया था। इसके साथ ही भारत उन देशों में शामिल हो गया जो एनर्जी कंपनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर टैक्स लगाते हैं। केंद्र सरकार विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स की हर पखवाड़े में समीक्षा करती है।

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमत के आधार पर इसकी दरों को मॉडरेट किया जाता है। सरकार 75 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा मिलने वाली किसी भी कीमत पर तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित मुनाफे पर टैक्स लगाती है।

वॉलमार्ट 2000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करेगी: रिपोर्ट

मुंबई ।

दिग्गज अमेरिकी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट 2,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करने पर विचार कर रही है। वॉलमार्ट इंक ये छंटनी अमेरिका के 5 ई-कॉमर्स वेयरहाउस में करेगी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। वॉलमार्ट की ओर से अभी तक इस बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इसके पहले 23 मार्च को एक रिपोर्ट में एक न्यूज एजेंसी ने कहा था कि वॉलमार्ट की 5 फैसिलिटी में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारियों को 90 दिन के अंदर दूसरी नौकरी तलाश करने को कहा गया है। कंपनी ने पिछले महीने अपने वेयरहाउसेज पर स्टाफ की संख्या कम करने की बात कही थी लेकिन इस दौरान कंपनी ने कोई खास जानकारी नहीं दी थी। कंपनी की ओर से रेगुलेटरी फाइलिंग में छंटनी की पूरी जानकारी मिलेगी। हालांकि, कंपनी ने यह भी कहा कि छंटनी के शिकार कर्मचारी उसी संस्थान में दूसरी भूमिका में काम करने पर विचार कर सकते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के कुछ कर्मचारियों को भले ही छंटनी के जरिए निकाला जाएगा लेकिन आगे विस्तार की भी योजना है। वॉलमार्ट ने कहा है कि कंपनी कुछ दूसरे क्षेत्र में भी विस्तार कर रही है। इस योजना के तहत कुछ स्टोर और फुलफिलमेंट सेंटर में बदलाव किए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन ऑर्डर की डिमांड को पूरा किया जा सके। ऐसे में संभावना है कि कंपनी कुछ कर्मचारियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने की भी व्यवस्था कर सकती है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि वॉलमार्ट के कुल कितने कर्मचारियों पर इसका असर देखने को मिलेगा।

एयरोफ्लेक्स ने आईपीओ से 350 करोड़ जुटाने के लिए किया आवेदन

मुंबई ।

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 350 करोड़ रुपए जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा जमा कराया है। सेबी को दिए गए प्रस्ताव के मुताबिक आईपीओ के तहत 160 करोड़ रुपए के नए शेयर बिक्री के लिए जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तकों के पास मौजूद 1.75 करोड़ शेयरों को भी खुली बिक्री (ओएफएस) के लिए रखा जाएगा। ओएफएस के तहत कंपनी में 92.18 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सैट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की तरफ से 1.23 करोड़ शेयरों की पेशकश की जाएगी जबकि 6.52 प्रतिशत हिस्सा रखने वाली इटैलिका ग्लोबल 52 लाख शेयरों की बिक्री करेगी। एयरोफ्लेक्स नए शेयरों की बिक्री से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल कर्ज को चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतें पूरी करने और सामान्य कंपनी कामकाज में करेगी। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक, एयरोफ्लेक्स के इस सार्वजनिक निर्गम का आकार करीब 350 करोड़ रुपए रह सकता है। मुंबई स्थित यह कंपनी धातुओं के लचीले होज बनाने के साथ उनकी आपूर्ति 80 से अधिक देशों में करती है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी ने एकीकृत परिचालन आय 240.8 करोड़ रुपए रही थी और उसने 27.5 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था।

आईपीएल : पंजाब किंग्स पर जीत दर्ज करने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

ग्राहाटी (एजेंसी)। कप्तान संजू की राजस्थान रॉयल्स बुधवार को शिखर धवन की पंजाब किंग्स के मुकाबले में अपनी जीत का ला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। लिक में अब तक शीर्ष पर होने के राजस्थान ने पिछले मैच में नर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत थी। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ ल्स ने पिछले मैच में गेंदबाजी और ी में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया था। के पंजाब के खिलाफ भी दोहराना बल्लेबाजी में टीम के पास स्वी जायसवाल के अलावा इंग्लैंड बटलर के अलावा कप्तान सैमसन भी तीनों के अर्धशतकों से रॉयल्स के ों ने पिछले मैच में बढ़ा स्कोर बनाया के बाद गेंदबाजी के दौरान उसके युजवेंद्र चहल ने 17 रन पर चार और ट्रेंट बोल्ट ने 21 रन पर दो विकेट दराबाद के बल्लेबाजों को दबाव में ला हीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स भी इस जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी।

पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मोहाली में बारिश की बाधा के बीच ही डकवर्थ-लुईस नियम से मैच जीता था। इस दौरान टीम ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिखायी थी।

रॉयल्स की बल्लेबाजी में गहराई है। मध्य क्रम में उसके पास देवदत्त पडिक्कल और रियान पराग के अलावा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। रॉयल्स की गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम के पास अनुभवी टेंट बोल्ट जैसा शीर्ष तेज गेंदबाज है। इसके अलावा स्पिनर चहल और आर अश्विन भी टीम में शामिल हैं।

पंजाब के पास शीर्ष क्रम में कप्तान शिखर धवन जैसा अनुभवी बल्लेबाज है पर टीम के अन्य बल्लेबाज युवा है। टीम की ताकत उसकी गेंदबाजी है जिसकी कमान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास है। टीम के पास आईपीएल इतिहास में 18 करोड़ और 50 लाख रुपए के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी बने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी भी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बासित, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेद मैकॉय, देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव और एडम जम्पा।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बरार, हरप्रीत सिंह, वी कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबादा, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा और अथर्व तायडे।

स्वितोलिना की मां बनने के ब कोर्ट पर वापसी, पुतिनत्सेवा हाथों करना पड़ा हार का साम

चार्लेस्टन (एजेंसी)। दो बार की ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलिस्ट एलिना स्वितोलिना के लिए मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी आसान नहीं रही और उन्हें चार्लेस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व की पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी लेकिन अभी 1081वें नंबर पर काबिज स्वितोलिना दो घंटे, 46 मिनट तक चले मुकाबले में यूलिया पुतिनत्सेवा से 6-7 (3), 6-2, 6-4 से हार गई। स्वितोलिना ने कहा, 'मेरे लिए शारीरिक तौर पर यह आसान नहीं था। मेरा मानना है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न लेकिन मैं उसके करीब पहुंच

स्वितोलिना और उ टेनिस खिलाड़ी गेल म पिछले साल अक्टूबर में ए के माता-पिता बने थे। दिन मैचों में 2017 की अमरीक चैंपियन सलोनी स्टी क्वालीफायर लुईसा चिरिको 6-1, 6-2 से, सत्रह वर्ष फ्रुहविर्टोवा ने जिल टीचमै 2, 3-6, 6-2 से, अन्ना का ने एनाहेलिना कलिनिना (6), 6-4 से और क्व कैथरीन सेबोव ने लॉरेन डे 4-6, 6-1, 6-2 से हराया

राज औरेंज , वुड पर्पल कैप के से बड़े दावेदार बनकर उभरे

ई (एजेंसी)। आईपीएल के त्र में अब तब शानदार बल्लेबाजी र्धशतक लगाने वाले चेन्नई सुपर सीएसके) टीम के सलामी ऋतुराज ड़ औरेंज कैप के ड़े दावेदार बनकर गुजरात टाइटन्स फ आईपीएल के हले मैच में इस ने नाबाद 92 रनों खेली थी। वहीं पर्पल कैप पर सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज की दावेदारी मजबूत है। वुड ने में अब तक सबसे ज्यादा विकेट

राजह ने अबतक दो अर्धशतकों ही 149 रन बनाये हैं, जबकि सुपर जाएंट्स के काइल मेयर्स 126 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा हैं, जिन्होंने 84 रन की पारी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेली थी। इस सूची में चौथा ना विराट कोहली का है, जिन्होंने 82 रन बनाए हैं और फाफ डुप्लेसिस ने 73 रन बनाए हैं।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो वुड ने अब तक लखनऊ की टीम की ओर से सबसे ज्यादा 8 विकेट लिए हैं। उन्हीं की टीम के साथी स्पिनर रवि बिश्नोई 5 विकेटों के साथ ही दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं, उन्होंने 4 विकेट लिए हैं। सीएसके के ऑलराउंडर मोइन अली को चार विकेट मिले हैं वह चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2023ः सौरव गांगुली ने कहा, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी दूसरों के लिए मौका

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी आसानी से टीमों में नहीं बदले जा सकते। मुंबई इंडियंस (एमआई), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसी टीमें हैं जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में मैच विनर्स की सेवाएं मिस कर रही हैं। गांगुली ने स्वीकार किया कि पंत की अनुपस्थिति ने कैपिटल सेटअप में एक बड़ा छेद छोड़ दिया है, लेकिन यह भी कहा कि युवा खिलाड़ी की अनुपस्थिति अन्य बल्लेबाजों के लिए आगे बढ़ाने का एक मौका है।

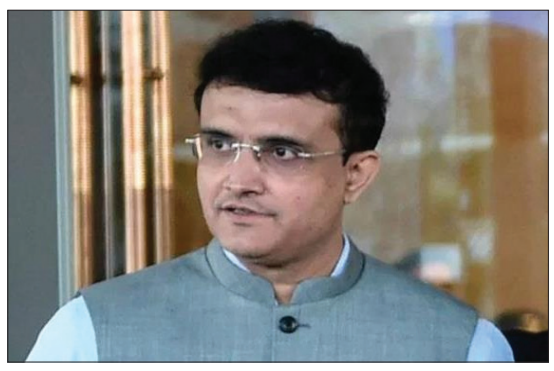

गांगुली ने कहा, 'जाहिर है, टीम को ऋषभ की कमी खलेगी, लेकिन यह दूसरों के लिए कदम बढ़ाने का एक अवसर है। हम सीजन के लिए उन्हें (ऋषभ) मिस करेंगे क्योंकि (जसप्रीत) बुमराह, ऋषभ और श्रेयस जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में बदले नहीं जा सकते हैं और सर्वश्रेष्ठ सभी टीमों को वितरित किए जाते हैं।'

इस 50 वर्षीय गांगुली ने खेल में काफी सुधार दिखाने के लिए रुतुराज गायकवाड़ और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं इसे किसी के बेहतर बनने के अवसर के रूप में देखता हूं क्योंकि एमएस धोनी के खेलना बंद करने के बाद से ऋषभ बेहतर हो गए हैं। इस तरह से खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं। आप देखिए (शुभमन) गिल बेहतर हो रहे हैं, ऋतु (रुतुराज गायकवाड़) अच्छा खेल रहा हैं, इसलिए यह एक मौका है। ऋषभ की कमी खलेगी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उनकी रिकवरी है।'

गौर हो कि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर हुई कार दुर्घटना में कई चोटों के बाद पंत आईपीएल 2023 का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने लगातार कहा है कि फ्रेंचाइजी इस सीजन में कुछ और तरीकों से पंत को अपना हिस्सा बनाने की कोशिश करेगी। अब डीडीसीए ने आज गुजरात टाइटंस के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान पंत के होने की पुष्टि की है।

धोनी लगातार दूसरे साल झारखंड सबसे बड़े आयकर दाता बनकर उ

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी झारखंड बड़े आयकर दाता बने हैं। उनकी आमदनी और आयकर विभाग को उनके भुगतान से यह अंदाज होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वि 2022- 23 के लिए धोनी की ओर से आयकर विभाग को आयकर के 38 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2021-22 में भी धोनी ने आयकर विभाग को 38 करोड़ रुपए का ही भुगतान किया था। दोनों वर्षों में भुगतान की राशि एक ही होने की वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि भले ही धोनी की ब्रांड वैल्यू बाजार में आज भी बरकरार है पर उनकी आमदनी नहीं बढ़ी है। पिछले साल भी धोनी झारखंड के सबसे बड़े व्यक्तिगत आयकर दाता के तौर पर सामने आए थे। धोनी की आमदनी विज्ञापनों से होती है। वह एक बड़े जाते हैं। धोनी अपनी एंटरटेनमेंट कंपनी के जरिए भी कमाई करते है अलावा क्रिकेट कोचिंग के लिए बनायी गयी कंपनी से भी उन्हें आमदनी धोनी शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। इसके अलावा धोनी की के और भी कई माध्यम है।

पीएल2023 में कोरोना रस की हुई एंट्री, यह दिग्गज टेटर हुआ संक्रमित

आईपीएल 2023 का आगाज हो चुका है। प्रशंसकों को आईपीएल का इंतजार रहता है। , आईपीएल के शुरुआत में ही एक बुरी खबर आई है। यह बुरी खबर कोरोना वायरस से है। दरअसल, इस बार आईपीएल भारत में रहा है। , वर्तमान ो भारत ार फिर ना के में दिखाई दे इसी कड़ी में अब आईपीएल में भी कोरोना ने एंट्री मारी है। इस बार हिंदी कमेंट्री पैनल में आकाश चोपड़ा फिलहाल कोरोना वायरस से हो गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी ट्वीट कर दी है। साथ ही साथ उन्होंने अपने कम्युनिटी पोस्ट में लिखा कि रुकावट के लिए कोविड- 19 ने फिर से स्ट्राइक कर दिया है। पने ट्वीट में लिखा कि कॉट एंड बोल्ड हाँ...सी वायरस फिर से आ गया है। वास्तव लक्षण... सब कुछ नियंत्रण में है। कुछ दिनों के मेंट्री ड्यूटी से दूर रहूंगा... मजबूत वापसी की कर रहा हूं।' बता दें कि आज इंडियन प्रीमियर सातवां मुकाबला खेला जा रहा है। इसमें पिटल्स और गुजरात टाइटंस की टीम सामने है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम बला खेला जा रहा है। दिल्ली अपना पहला मैच ी है जबकि गुजरात में इस बार भी शानदार न की है।

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, वनडे विश्व कप में इस मैदान पर खेला जा सकता है भारत-पाकिस्तान मैच

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट फैंस के ऊपर आईपीएल का खुमार जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रहा है। यह साल क्रिकेट के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि भारत डब्लूटीसी फाइनल में अपनी जगह बना चुका है। इसके अलावा वनडे वर्ल्ड कप भी भारत में खेला जाना है। वनडे विश्व कप को लेकर इस वक्त एक बड़ा अपडेट आया है। वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होंगे। दरअसल, आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होती हैं। लेकिन दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली जाती।

खबर यह है कि आईसीसी वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम या फिर चेन्नई के चेपक स्टेडियम में कराया जा सकता है। इससे पहले पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में भारत का दौरा करने से मना कर दिया था। पाकिस्तान ने आईसीसी को पत्र लिखकर यह भी कहा था कि उसके मुकाबले बांग्लादेश में कराया जाए। लेकिन आईसीसी की ओर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम की इस मांग को पूरी तरीके से खारिज कर दिया गया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वनडे विश्वकप के लिए भारत आना ही होगा।

दरअसल, पूरा विवाद शुरू हुआ था जब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा था कि भारत एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा। दरअसल, 2023 एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान में ही हो रहा है। भारत सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहता। ऐसे में खबर यह भी है कि एशिया कप में भारत के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर खेले जा सकते हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाएगी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए राहत की बात है। क्रिकेट ऑ (सीए) उनका वेतन बढ़ाने जा रही है। सीए खिलाड़ी यूनियन के साथ प के समझौते के तहत अपनी घरेलू टी20 लीग के लिए खिलाड़ियों का फीसदी और महिला राष्ट्रीय टीम के वेतन में 25 फीसदी बढ़त करने ज घरेलू स्तर पर राज्य और महिला बीबीएल अनुबंध में महिला खिला औसत वेतन एक लाख 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर होगा। वहीं पुरुष लीग (बीबीएल) में प्रत्येक टीम के लिए वेतन सीमा बढ़कर 3 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की जाएगी। सीए का लक्ष्य खेल में सर्वश्रेष्ठ स्थानी को जोड़े रखना है। सीए इसके अलावा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ि अपने शामिल करना चाहती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यक हॉकले ने कहा, 'हमें पता है कि वैश्विक क्रिकेट के बदलते हुए परिवेश में को और प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। सीएक ने एक समझौते के तहत पेशेव क्रिकेटरों को भुगतान में 66 फीसदी का इजाफा करने की घोषणा क कहा कि विश्व चैंपियन टीम में शामिल शीर्ष अनुबंध धारकों को राष्ट्र महिला बीबीएल करार तथा भारत और इंग्लैंड में करार सहित सालाना ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिल जाएंगे। वहीं इसके अलावा राष्ट्रीय अनुबंध करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या को भी बढ़ाया जाएगा। इसमें जगह 18 खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

विलियमसन, साउदी सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही पाक में एकदिवसीय सीरीज खेलेगी न्यूजीलैंड

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। 26 अप्रैल से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में न्यूजीलैंड टीम कप्तान केन विलियमसन सहित चार प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरेगी। विलियमसन जहां चोटिल हैं वहीं अन्य खिलाड़ी आईपीएल के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं। विलियमसन के घुटने में चोट लगी है जबकि टिम साउदी, लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर और फिन एलन अभी आईपीएल में व्यस्ता हैं। ऐसे में टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे में टीम को डेरिल मिशेल, मैट हेनरी, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर ही आधारित रहना होगा। कीवी टीम ने बेन लिस्टर और कोल मैककोन्ची के रूप में दो संभावित नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया है।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने दौरे के लेकर कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले सत्र में सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों में कई रोमांचक मैचों का आनंद लिया है। वे एक कठिन टीम हैं, चाहे आप उन्हें कहीं भी ले जाएं। स्टीड ने आगे कहा, इस साल की शुरुआत में पाक में सफल एकदिवसीय सीरीज ने खिलाड़ियों को सीखने के बड़े अवसर प्रदान किए और विश्व कप के साल में अधिक एकदिवसीय मैच का अनुभव शानदार है। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज 26 अप्रैल से रावलपिंडी में शुरू होगी और 7 मई को कराची में खत्म होगी।

टीम इस प्रकार है -टॉम लाथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, चाड बोवेस, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपली, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

उधार ली गई हॉकी स्टिक से जूनियर टीम की कप्तान बनी प्रीति

नई दिल्ली । भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की कप्तान प्रीति का यह सफर बेहद कठिन रहा है। हरियाणा के सोनीपत की प्रीति के घर की स्थिति बेहद कमजोर थी। प्रीति 10 साल की उम्र से मैदान में हॉकी खेलने जाती थीं। वही से प्रीति को हॉकी में दिलचस्पी बढ़ गई और उसने परिवार को बिन बताए उधार ली गई हॉकी स्टिक से खेलना शुरु कर दिया। इसी का परिणाम है कि वह आज भारतीय टीम तक पहुंची है। प्रीति का सपना है कि देश के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना। पिता शमशेर सिंह का कहना है कि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन प्रीति छुपकर भी बाहर खेलने गई है। वह आकर ही बताती थी कि वह मैदान पर खेलने के लिए गई थी पर उसकी मेहनत रंग लाई और उसका चयन जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में हुआ। प्रीति की कोच व पूर्व महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीतम सिवाच का कहना है कि हमारे मैदान की बेटियां जब अच्छा खेलते हुए टीम में चयनित होती हैं, तो ब खुशी होती है। इस मैदान से तीन खिलाड़ियों का सिलेक्शन जूनियर हॉ में हुआ है। जिनमें से प्रीति जूनियर हॉकी टीम की कप्तान बनी है। अनुसार बचपन में उसके माता-पिता नहीं चाहती थी कि वह खेलने के लि जाए, लेकिन वह आपने मां-पापा से झूठ बोलकर मैदान पर खेलने के लि थीं, उसे बचपन से ही खेलने का शौक था, लेकिन जब उसके आस पड़ो मैदान पर खेलने के लिए जाते थे तो वह भी उनके साथ छुपकर खेलने थी। प्रीति ने कहा कि कभी उसके पासा आहार के लिए भी पूरे पैसे नहीं इस कारण उसके माता पिता ने रात भर काम किया है। वहीं प्रीति ने

ट्रमंडल खेलों की चैंपियन संजीता चानू को बड़ा झटका, लगा चार साल का प्रतिबंध

दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों र की चैंपियन भारतीय भारोत्तोलक चानू पर पिछले साल डोप परीक्षण में रहने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध है। संजीता पिछले साल सितंबर- में गुजरात में राष्ट्रीय खेलों के दौरान में एनाबॉलिक स्टेरॉयड - लोन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव थी, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में शामिल है। तीय भारोत्तोलन महासंघ ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने के संजीता को प्रतिबंधित किया गया कहा, 'हां, संजीता पर नाडा ने चार

पदक जीता था। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट में 53 किग्रा भार वर्ग में सोने का तमगा हासिल किया था।

मणिपुर की इस खिलाड़ी के पास अभी फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है लेकिन यह तय नहीं है कि वह ऐसा करेंगी या नहीं। संजीता ने जनवरी में कहा था, 'मुझे पहले भी इसका अनुभव है तो फिर मैं फिर से क्यों डोप लूंगी। मैं नहीं जानती कि मैं अपील करूंगी या नहीं क्योंकि दोनों मामलों में मेरी हार होगी।' उन्होंने कहा था, 'अगर मैं अपील करती हूं तो मेरा नाम पाक साफ होने में समय लगेगा और मेरे पास ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का मौका नहीं रहेगा। अगर मैं हार जाती हूं तो मुझे निलंबित की एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता को डोपिंग से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले नवंबर 2017 में अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप से पहले एनाबॉलिक स्टेरॉयड टेस्टोस्टेरोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने 2018 में उन्हें प्रतिबंधित किया था। विश्व संस्था ने हालांकि 2020 में उन्हें आरोप मुक्त कर दिया था।

संजीता ने कहा था, 'मैं पहले भी इस तरह की स्थिति से गुजर चुकी हूं लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह कैसे हुआ। इस घटना से पहले तक मैं अपने खाने और हर काम को लेकर काफी सतर्क थी। मैंने अपने पूरक आहार को लेकर भी सतर्कता बरती थी

ढ़ रही है मेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

त में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से नी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को पूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की ओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

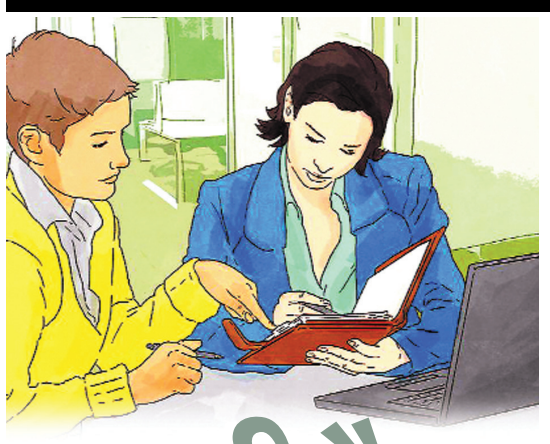

मेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं भी के समक्ष प्रदर्शित करने के पनी अपीयरैंस (दिखावट) के हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। कंसल्टिंग के तहत लोगों को न पहनने व तैयार होने के ढंग, गैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स के बारे में शिक्षित किया जाता ज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से मूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। भी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों पनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के क्त कार्यशाला भी आयोजित हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में न शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, लेंग आदि भी शामिल हैं। भारत तार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा जह से अपनी इमेज मैनेज करना अहम जरूरत बन चुकी है। से अधिक लोग अब इस त को महसूस कर रहे हैं जिस से देश में इमेज कंसल्टैंट की ों की मांग में काफी इजाफा को मिल रहा है।

ा करियर है, जिसमें व्यक्ति लोगों के विकास का मुख्य गी बनता है तथा अन्य लोगों को अधिक सफल बनाने से उसे ता मिलती है। यह क्षेत्र उन ओं को करियर बनाने का मौका देता है जिन्होंने कुछ के लिए अपने पहले करियर को खा हो। इमेज कंसल्टिंग स इंस्टीच्यूट भारत में इमेज टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण ला अग्रणी संस्थान होने के साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

रियर उन्मुखी होते हैं त्राचार पाठ्यक्रम

सभी विषयों में शन तथा मास्टर कोर्स के अलावा सर्टीफिकेट कोर्स प्लोमा भी पत्राचार म से दूरस्थ शिक्षा प में उपलब्ध हैं। ाठ्यक्रमों का छात्रों को सभी त विषयों का ादी ज्ञान प्रदान ा होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के र्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी क योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। वेश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु न डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश ा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले दवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं रीक्षाएं संचालित करती हैं। कांश विश्वविद्यालय मुद्रित यन सामग्री के अलावा अपने ीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया ों से भी छात्रों को शिक्षित हैं। ये विश्वविद्यालय शन पाठ्यक्रम, मास्टर पाठ्यक्रम, एम.फिल .डी. तथा डिप्लोमा एवं फिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते नमें से अधिकांश पाठ्यक्रम र उन्मुखी होते हैं।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता - फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानवितरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अतः सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी सैन्य स्थलों से खुफिया जानकारी जुटाई चीनी जासूसी गुब्बारों ने

वाशिंगटन ।अमेरिकी एफ-22 फाइटर जेट द्वारा 4 फरवरी को मार गिराए गए संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे ने कई संवेदनशील अमेरिकी सैन्य स्थलों से खुफिया जानकारी हासिल करने में कामयाबी हासिल की। यह जानकारी अधिकारियों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई है।एक मी ?डिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, चीनी गुब्बारा अमेरिकी सैन्य स्थलों के ऊपर से कई बार उड़ा और जानकारियों को बीजिंग को भेजा। चीन ने जो खुफिया जानकारी एकत्र की थी, वह ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक संकेतों से थी, जिसे हथियार प्रणालियों से उठाया जा सकता है या छवियों के बजाय आधार कर्मियों से संचार शामिल किया जा सकता है।संदिग्ध जासूसी गुब्बारा, जिसे अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने पहली बार 2 फरवरी को ट्रैक करने की घोषणा की थी, दो दिन बाद मार गिराया गया था। गुब्बारे को 5 फरवरी को दक्षिण कैरोलिना में मर्टल बीच के तट से पुन: प्राप्त किया गया था।अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि चीन संवेदनशील साइटों से बहुत अधिक खुफिया जानकारी एकत्र कर सकता था।एक प्रेस वार्ता में, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता किर्बी जॉन ने यह टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि गुब्बारा किस तरह के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल या संचार तक पहुंच सकता है। किर्बी ने कहा, यह जानते हुए कि यह अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने जा रहा था, हमने सीमित करने के लिए कार्रवाई की।

यूक्रेन भी रूस पर जबर्दस्त हमलावर, रूस का 14 खतरनाक ड्रोन मार गिराया

कीव ।रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से जंग जारी है, यूक्रेन भी रूस से पीछे हटने को तैयार नहीं है और दोनों तरफ से हमले जारी हैं। वहीं यूक्रेनी सेना ने रूस की ओर से बीती रात छोड़े गए 17 ड्रोन में से 14 को मार गिराने का दावा किया है।यूक्रेनी सेना ने बयान जारी करते हुए बताया कि ये सभी ईरान के बनाए शहीद ड्रोन थे। मीडिया के अनुसार आर्मी कमांड ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर एक बयान में कहा है कि कुल मिलाकर 17 यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) अटैक रिकॉर्ड किए गए, जिन्हें संभवत- अजोव सागर के पूर्वी तट क्षेत्र से लॉन्च किया गया था।यूक्रेन के दक्षिण सैन्य कमान ने कहा कि एक ड्रोन ने ओडेसा क्षेत्र में एक उद्यम को टक्कर मार दी, जिससे वहां आग लग गई, जिसे सुबह तक बुझा लिया गया। मीडिया के अनुसार कमांड ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जानकारी के अनुसार इस ड्रोन हमले में कोई मानवीय नुकसान नहीं हुआ है। यूक्रेन के बखमुत शहर और उसके आसपास के इलाके में भीषण लड़ाई जारी है।इससे पहले कीव ने पूर्वी यूक्रेन के इस शहर के प्रशासनिक केंद्र पर कब्जा करने के रूसी दावों को यह कहते हुए का मज़ाक उड़ाया कि उसके दुश्मनों ने किसी तरह के शौचालय' पर जीत का झंडा बुलंद किया था। यूक्रेन और रूस की जंग अब अपने दूसरे साल में पहुंच गई है, जिसमें दोनों पक्षों से अब तक कई लोग हताहत हुए हैं और कई शहर बड़े पैमाने पर बमबारी से नष्ट हो गए हैं। इस दौरान बखमुत के खनन शहर और रसद केंद्र पर कब्जे के लिए जारी लड़ाई इस जंग के सबसे खूनी संघर्षों में से एक रही है।

द हेग के पास ट्रेन के आंशिक रूप से पटरी से उतरने से एक की मौत, 30 घायल

द हेग। द हेग के पास मंगलवार तड़के एक ट्रेन के आंशिक रूप से पटरी से उतरने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा करीब 30 यात्री घायल हो गए। उनमें से कुछ की हालत नाजुक है। पटरी से उतरने के बाद ट्रेन का एक डिब्बा खेत में जा गिरा।टीवी पर प्रसारित तस्वीरों में एक व्यक्ति को ट्रेन तक पहुंचने के लिए रेलमार्ग के करीब बह रही नहर को पार करने के लिये अस्थायी पुल का उपयोग करते देखा गया।घायलों का रेल मार्ग के समीप स्थित मकानों में इलाज किया गया और बाद में एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।यह हादसा द हेग के करीब बसे वूरशोटेन शहर के पीस सुबह करीब तीन बजकर 25 मिनट पर हुआ। वूरशोटेन के मेयर नादिन स्टेमेर्दिंक ने एक बयान में कहा कि यह दुखद घटना हैं। मेरी पीड़ितों के प्रति सहानुभूति है। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से एक व्यक्ति की मौत हुई है।हादसे में जान गंवाने वाले तथा घायल लोगों के परिवारों और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। स्थानीय दमकल सेवा की प्रवक्ता इंग्रिद डी रोस ने बताया कि ट्रेन के पीछे की ओर आग लगी, लेकिन उसे फौरन बुझा दिया गया था। रेल नेटवर्क कंपनी प्रो रेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन वोपेन ने हादसे को ''डच रेलवे के लिए काला दिन बताया।

'भारतीय हिंदू हूं इसलिए चुनाव लड़ने से रोका', लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र को इलेक्शन से किया गया डिस्कालीफाई

लंदन। लंदन के एक कॉलेज में भारतीय मूल के छात्र के साथ धर्म और देशविरोधी बयानों के खिलाफ बोलने को लेकर भेदभाव किए जाने का मामला सामने आया है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (LSE) में अंतरराष्ट्रीय कानून में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे एक भारतीय छात्र का दावा है कि छात्र संघ (LSESU) के चुनाव से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उसे कैंपस में हिंदू और भारतीय होने के कारण क्रूर नस्लवाद का सामना करना पड़ा। गुड़गांव के करण कटारिया जिन्होंने नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी में अपनी पहली डिग्री हासिल की है। अंग्रेजी अखबार टीओआई से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो अपनी मास्टर डिग्री शुरू करने के लिए पिछले सितंबर में यूके पहुंचे। वह विश्वविद्यालय जाने वाले अपने परिवार के पहले सदस्य हैं।29 मार्च को मतदान होने के बाद उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि उन्हें कई शिकायतें मिली थीं कि वह 'एक चरमपंथी संगठन के सदस्य' थे, लेकिन उन्हें उनके द्वारा किसी भी असहिष्णुता या भेदभावपूर्ण व्यवहार का कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मेरी इमेज को बदनाम करने के लिए कई झूठे आरोप लगाए गए, जबकि मैंने हमेशा बदलाव और सामाजिक के फायदे की बात कही है।

बांग्लादेश के कपड़ा बाजार में भीषण आग लगी, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी में सबसे बड़े कपड़ा बाजारों में से एक कपड़ा बाजार में मंगलवार को भीषण आग लग गई।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि सुबह छह बजकर करीब 10 मिनट पर बंगबाजार में आग लग गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा और नागरिक रक्षा नियंत्रण कक्ष के उप अधिकारी रफी अल फारूक के मुताबिक, दमकल की 47 इकाइयां आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत कर रही हैं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।अग्निशमन सेवा में मीडिया विभाग के अधिकारी अनवर-उल-इस्लाम डोलोन ने कहा कि आग लगने की सूचना मिलने के दो मिनट के अंदर ही दमकल कर्मियों की एक इकाई मौके पर पहुंच गई थी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने की खबर सुनकर दुकानों के मालिक और कर्मचारी मौके पर पहुंच गये।उन्हें अपनी दुकानों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाते देखा गया। बंगबाजार, देश के सबसे बड़े कपड़ा बाजारों में से एक है, जहां कपड़ों की टिन और लकड़ी से बनी दुकानें हैं।

इंडोनेशिया में आया 6.4 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान व हताहत नहीं

जकार्ता (ईएमएस)।इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत उत्तरी सुमात्रा में भूकंप आया। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.4 मापी गई, इसमें किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है।एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी।प्रांत के सर्च और रेस्क्यू ऑफिस की ऑपरेशन यूनिट के प्रमुख जूल इंद्र ने कहा कि सोमवार देर रात आए भूकंप से कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार : कोई इमारत या घर नष्ट नहीं हुआ है।किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की भी सूचना नहीं है। भूकंप रात 9.59 बजे आया। मीडिया ने बताया कि भूकंप का केंद्र पडंग सिदेमपुआन शहर से 82 किमी दक्षिण पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 102 किमी की गहराई में स्थित है।

ताइवान में एक समारोह के दौरान बेलीज के प्रधानमंत्री जॉन ब्रिसेनो के साथ एक कार्यक्रम में ताइवन की राष्ट्रपति तसाई इन वेंग ने पांच हजार लैपटॉप देने का करार किया।

आतंकवाद के 3 मामलों में इमरान खान की जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ाई

इस्लामाबाद।पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के प्रमुख इमरान खान को लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत ने मंगलवार को 3 मामलों में अंतरिम जमानत दे कर आतंकवाद के 3 मामलों में उनकी जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है। लाहौर में एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान को आगजनी, पुलिस के खिलाफ हिंसा, बर्बरता और जिले शाह हत्या से संबंधित तीन मामलों में अंतरिम जमानत दे दी है।मीडिया के अनुसार रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अदालत ने 3 मामलों में अंतरिम जमानत को 13 अप्रैल तक बढ़ा दिया है।

पाक ते जिले शाह हत्याकांड, आगजनी, और राज्य के मामलों में हस्तक्षेप तीन उदाहरण थे जिनमें पीटीआई अध्यक्ष जमानत के लिए अदालत में उपस्थित हुए।एक चैनल ने बताया कि आतंकवाद विरोधी और सहायता और उकसाने वाले कानूनों के तहत पीटीआई प्रमुख के खिलाफ रेस कोर्स पुलिस स्टेशन में कई मामले दर्ज किए गए थे।खान ने भारी सुरक्षा के बीच एटीसी में प्रवेश किया क्योंकि जमानत पर उनकी रिहाई की शर्त के रूप में न्यायाधीशों ने जमानत के विस्तार की अपील के लिए व्यक्तिगत रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। तोशखाना उपहार मामले में खान को पकड़ने के लिए पीटीआई सदस्यों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में लाहौर पुलिस ने खान पर ये मामले दर्ज किए थे।

4 अंतरिक्ष यात्रियों को अगले साल चांद पर भेजेगा नासा

पहली बार चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगी महिला अंतरिक्ष यात्री

- 50 साल बाद नासा का मून मिशन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चांद पर इंसानों के उतरने के 50 साल बाद नासा ने एक बार फिर मून मिशन का ऐलान कर दिया है। इस बार चार अंतरिक्ष यात्रियों में क्रिस्टीना हैमोक कोच भी शामिल हैं। इसके अलावा विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री होंगे। जानकारी के मुताबिक 2025 की शुरुआत में नासा यह मिशन लांच कर सकता है। अंतरिक्ष यात्रियों में रीड विस्मैन और जेरेमी हैनसेन भी शामिल हैं। बता दें कि अब तक केवल पुरुष अंतरिक्ष यात्री ही चंद्रमा की कक्षा या फिर सतह तक पहुंचे हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि महिला अंतरिक्ष यात्री भी चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगी। यह मिशन लगभग 10 दिनों का होगा। इस दौरान सभी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे। वे चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे।कोच ने इस मिशन के बारे में कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है। मुझे लगता है कि यह मिशन अपने आप में शानदार है। हम दुनिया की सबसे ताकतवर रॉकेट में सवार होने जा रहे हैं। पहले यह हजारों मील की ऊंचाई पर जाएगी और सारे सिस्टम को चेक किया जाएगा। इसके बाद यह चांद की ओर रवाना हो जाएगी। बता दें कि नासा ने इससे पहले 1972 में अपोलो मिशन लांच किया था। इसके बाद दोबारा कोई इंसान चांद में पर नहीं उतरा। क्रिस्टिना कोच ने 2013 में नासा जॉइन किया था। वह आईएसएस में एक फ्लाइट इंजिनियर थीं। वह पहले भी 328 दिन अंतरिक्ष में बिता चुकी हैं। वहीं जेरेमी हैन्सन कनाडा के रहने वाले हैं और 47 साल के हैं। वह एक फाइटर पायलट रह चुके हैं। वहीं रीड वाइसमैन अमेरिकी नौसेना में पायलट रह चुके हैं। इसके अलावा वह नासा के साथ भी काम कर चुके हैं।

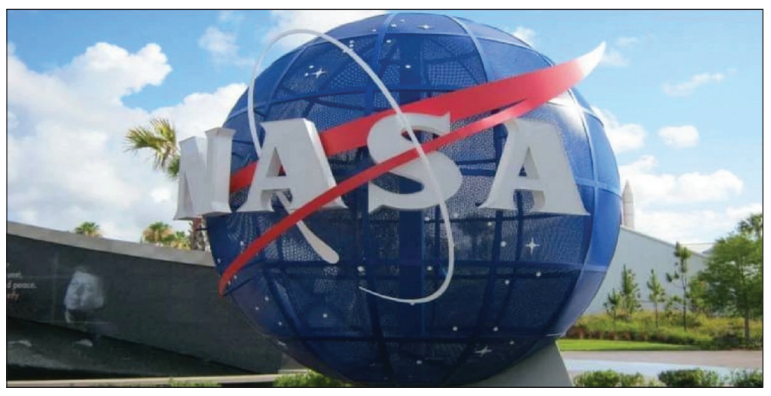

श्रीलंका ने नीतिगत सुधार और सुशासन स्थापित करने में भारत से मांगी मदद

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश में नीतिगत सुधार, शासन, क्षमता निर्माण, डिजिटलीकरण और सार्वजनिक सेवा वितरण स्थापित करने में भारत से मदद मांगी है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर ये जानकारी दी है। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) के महानिदेशक भरत लाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने नीतिगत सुधार, सुशासन, डिजिटलीकरण, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण, संस्था निर्माण और सुनिश्चित सार्वजनिक सेवा वितरण जैसे विषयों पर चर्चा की।

इस दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत के सामाजिक आर्थिक विकास और उच्च आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के तरीकों की प्रशंसा की। बयान के अनुसार बैठक में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल की आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने और देश को उच्च आर्थिक विकास के रास्ते पर लाने की उनकी रणनीति क्या है? उन्होंने एनसीजीजी से श्रीलंका में शासन और लोक नीति विश्वविद्यालय स्थापित करने में मदद करने का भी आग्रह किया।श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक के दौरान भरत लाल ने सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से सार्वजनिक सेवा मुहैया कराने में भारत की सफलता को साझा किया, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण प्रगति और लागत बचत हुई। दोनों पक्षों ने प्रभावी निगरानी उपायों को लागू करके देश की सिविल सेवाओं की क्षमता बढ़ाने और सरकारी संस्थानों के प्रदर्शन में सुधार करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

फिनलैंड के नाटो मेंबर बनने से अमेरिका ने पुतिन की टेंशन बढ़ा दी

ब्रसेल्स (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच अमेरिका के नेतृत्व वाले संगठन नाटो का दायरा बढ़ गया है। फिनलैंड नाटो का औपचारिक सदस्य बनने जा रहा है। फिनलैंड का नाटो की सदस्यता लेना इसलिए भी अहम है क्योंकि वह रूस का पड़ोसी है और 1,300 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। फिनलैंड की एंट्री के साथ ही रूस से लगने वाली नाटो देशों की सीमा दोगुनी हो जाएगी। नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग ने कहा ?कि हम फिनलैंड का अपने 31वें सहयोगी के तौर पर स्वागत करेंगे। इससे फिनलैंड सुरक्षित होगा और हमारी ताकत भी बढ़ेगी। उन्होंने इस कदम को ऐतिहासिक करार दिया। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्टो आज ब्रसेल्स जाएंगे और नाटो की सदस्यता को लेकर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

गौरतलब है ?कि बीते साल यूक्रेन पर किए गए रूसी हमले के बाद से ही पड़ोसी देशों में डर का माहौल है। यूक्रेन नाटो का मेंबर नहीं है और इसी के चलते इन देशों ने खुलकर उसकी मदद नहीं की है। ऐसे में फिनलैंड और स्वीडन जैसे देशों ने नाटो की मेंबरशिप लेने का फैसला लिया है ताकि भविष्य में रूस हमला करता है तो उसे नाटो का सक्रिय सहयोग मिल सके। फिलहाल फिनलैंड को नाटो में लेने की सहमति बन गई है, लेकिन तुर्की के ऐतराज के चलते अब तक स्वीडन को लेकर फैसला नहीं हो सका है।

बीते सप्ताह ही तुर्की की संसद ने प्रस्ताव पारित कर फिनलैंड को नाटो में लेने का रास्ता साफ कर दिया था, लेकिन स्वीडन को लेकर अभी फैसला लेना बाकी है। स्टोलनबर्ग ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर यह कहते हुए हमला किया था कि वह वादा करे कि नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन उसके हमले का असर उलटा हुआ है। यूक्रेन ने अब तक वादा नहीं किया है और दूसरे पड़ोसी देशों ने भी नाटो का रुख कर लिया है। गौरतलब है कि रूस ने पड़ोसी देश बेलारूस की सीमाओं पर परमाणु हथियारों की तैनाती का ऐलान किया है। इसके चलते टेंशन और बढ़ गई है।

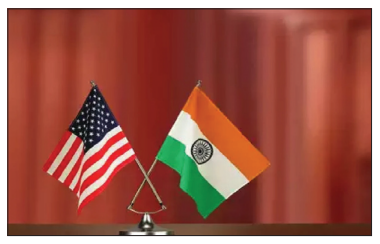

अपने दुश्मन देशों से निपटने के लिए अमेरिका से एक बड़ी डील कर रहा भारत, खरीदे जाएंगे तीस करोड़ डॉलर के हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने सैन्य हार्डवेयर सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। भारत हेलफायर मिसाइल और मार्क 54 पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो सहित अमेरिकी हथियार खरीदने के लिए जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक हथियार समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहा है। इन हथियारों को 24 एमएच-60 हेलीकॉप्टरों में लगाया जाएगा जो निकट भविष्य में पूरी तरह से नौसेना में शामिल होने जा रहे हैं। एमएच-60 रोमियो हेलिकॉप्टरों के लिए हथियार पैकेज खरीदने के प्रस्ताव को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है और सौदे पर जल्द हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों के सूत्रों से बताया गया है कि यह सौदा विदेशी सैन्य बिक्री मार्ग के तहत किया जाएगा। हेलफायर मिसाइल मिसाइलों एक पावरफुल एंटी शिपिंग हथियार है। . इसकी मदद से टैंक और कमांड पोस्ट को असानी से टारगेट किया जा सकता है। इस मिसाइल के कई वैरिएंट्स हैं। टैंक और मोटी कॉन्क्रीट की दीवार में विस्फोट करने में सक्षम है. इस मिसाइल की बड़ी बात यह है कि यह हवा से हवा में भी वार कर सकती है। इसे पहले से ही भारतीय नौसेना के पी-8आई पनडुब्बी रोधी युद्ध और निगरानी विमानों में शामिल किया गया है। भारत और अमेरिका ने 2020 में लॉकहीड मार्टिन से 24 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए 16,000 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जो प्रक्रिया को तेज करने के लिए सरकार से सरकार के सौदे में फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के तहत है। 24 एमएच-60 रोमियो मल्टीमोड राडार और नाइट-विज़न उपकरणों के साथ-साथ मिसाइलों, टॉरपीडो और अन्य सटीक-निर्देशित हथियारों से लैस होंगे। एमएच-60एस सी किंग हेलिकॉप्टरों की जगह लेने जा रहे हैं जो बहुत जल्द सेना से बाहर हो जाएंगे। एमएच-69 हेलीकॉप्टर फ्रिगेट, डिस्ट्रॉयर, क्रूजर और एयरक्राफ्ट कैरियर से संचालित हो सकते हैं।

पाकिस्तान में मार्शल लॉ की चर्चा हो गई तेज, इमरान के बाद अब बिलावल भुट्टो ने भी इससे जुड़ी आशंका जताई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने फुल कोर्ट गठित नहीं होने की स्थिति में देश में आपातकाल या मार्शल लॉ लगाने की आशंका जताई है। बिलावल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष भी हैं। लरकाना में मीडिया से बात करते हुए भुट्टो ने ये टिप्पणी की है। उनकी पार्टी खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब चुनावों पर तीन न्यायाधीशों के किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पूर्ण न्यायालय के फैसले को स्वीकार करेगी और उसे लागू भी करेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि तीन न्यायाधीशों के फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा क्योंकि उनमें से एक ने पीडीएम पंजाब सरकार को विपक्षी पीटीआई को सौंप दिया था। द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश से राष्ट्र के व्यापक हित में पूर्ण अदालत गठित करने को कहा। बिलावल ने कहा कि पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स, पुलिस और एलईए ने कुर्बानी देकर आतंकवाद का सफाया किया और पाकिस्तान में शांति बनाए रखी, लेकिन अयोग्य, ÷मूर्ख÷ इमरान खान ने आतंकवादियों को बढ़ावा दिया। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री पर अफगानिस्तान से आमंत्रित करके पाकिस्तान में आतंकवादियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, यह कहते हुए कि पीटीआई प्रमुख की नीतियों ने भी आतंकवादियों के नेटवर्क को मजबूत करने का नेतृत्व किया।

अब चीन ने की नक्शे वाली साजिश, भारत की दो टूक, अविष्कार से वास्तविकता नहीं बदलने वाली

बीजिंग (एजेंसी)। चीन भारत के खिलाफ अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बीजिंग ने अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे पर एक बार फिर से जोर देने के मकसद से चीनी नामों का तीसरा सेट जारी कर दिया है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के नक्शे में 11 जगह के नाम अब बदले हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पर अब विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि ये पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह की कोशिश की है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।

ड्रैगन हमेशा से अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहा है। भारत के किसी भी नेता के अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने पर वो चिढ़ जाता है। लेकिन अब उसने तो दो कदम आगे बढ़ाते हुए अपने भौगोलिक नक्शे पर अरुणाचल की जगहों के नाम भी बदल दिए हैं। चीन 2017 से अब तक तीन बार अपने भौगोलिक नक्शे पर भारतीय जगहों का नाम बदलने का दुस्साहस कर चुका है। लेकिन अप्रैल को जारी चीन के नए लिस्ट में अरुणाचल के 11 इलाकों के नाम बदले हुए हैं। जिनमें दो जमीनी और दो रिहायिशी इलाके हैं। जबकि पांच पहाड़ियांऔर दो नदियों के नाम भी शामिल है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा मानता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब चीन ने ऐसा प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न, अविच्छेद्य अंग है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि आविष्कार किए गए नामों को सौंपने का प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिक्किम : नाथुला रोड पर हिमस्खलन में 6 की मौत, 80 से ज्यादा के फंसे होने की आशंका

सिक्किम के नाथुला इलाके में मंगलवार को हुए एक भीषण हिमस्खलन में छह पर्यटकों की मौत हो गई है। इसके अलावा 11 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि अभी 80 से ज्यादा लोग फंसे हो सकते हैं। घायलों को राज्य की राजधानी गंगटोक के अस्पताल लाया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक बचाव अभियान जारी है। सीमा सड़क संगठन द्वारा तेजी से बचाव अभियान शुरू किया गया था और अब तक 22 लोगों को बचाया गया है। आपको बता दें कि नाथुला दर्रा चीन से लगी सीमा पर स्थित है और यह अपनी मनोरम सुंदरता के कारण पर्यटकों का एक बड़ा आकर्षण केंद्र है। गंगटोक को नाथू ला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर 15वें माइल पर अपराह्न 12.15 बजे के आसपास हिमस्खलन हुआ, जब उस क्षेत्र में कम से कम 150 पर्यटक थे। नाथू ला दर्रा, समुद्र तल से 4,310 मीटर (14,140 फीट) की ऊंचाई पर, चीन के साथ सीमा पर स्थित है और एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। स्थानीय समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वाले पर्यटकों में चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पर्यटकों को 13वें माइल तक जाने की अनुमति थी लेकिन वे जबरन 15वें माइल तक पहुंच गए जहां घटना हुई।

कोविड-19 ने पकड़ी रफ्तार, देश में कोरोना के नए मामले 3 हजार के पार, 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के नए मामले 3 हजार के पार हो गए हैं और 7 लोगों की मौत भी हो गई। कोविड-19 के 3 हजार 38 नए मामले सामने आए हैं। पॉजिटिविटी रेट में बड़ा उछाल देखा गया है। देश में इस समय कोविड-19 के 21 हजार से ज्यादा एक्टिव मामले हैं। पिछले 24 घंटों में कोविड से देश में 7 मौतें दर्ज की गई हैं। कोरोना से पंजाब में 2 मौतें, उत्तराखंड में 1, महाराष्ट्र में 1, जम्मू में 1 और दिल्ली में 2 मौतें दर्ज की गई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार कोविड मामलों की कुल संख्या 4.47 करोड़ (4,47,29,284) पर पहुंच गई थी। देश में एक्टिव मामले कुल संक्रमणों का 0.05 प्रतिशत हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 से ठीक होने वालों की राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.76 प्रतिशत दर्ज की गई है। कोरोना की बीमारी से उबरने वालों की संख्या 44177204 है, जबकि कोविड मरीजों की मृत्यु दर 1.19 दर्ज की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 220.66 करोड़ कोविड टीके की खुराक दी जा चुकी है। भारत में पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में बहुत तेज बढ़ोतरी देखी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मनसुख मंडाविया ने कहा कि लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मौजूदा समय में देश में फैल रहे ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट के संक्रमण की संख्या बढ़ी है, मगर अस्पताल में भर्ती होने की संख्या नहीं बढ़ी है। मंडाविया ने कहा कि कोविड वायरस लगातार म्यूटेट होता रहता है और भारत में अब तक इसके 214 वैरिएंट पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अन्य महत्वपूर्ण उपायों की व्यवस्था की गई है। मंडाविया ने कहा कि जरूरी मेडिकल तैयारियों की हर हफ्ते समीक्षा की जा रही है। मंत्री ने कहा कि यह भविष्यवाणी करना असंभव है कि आगे चलकर कोविड कैसे व्यवहार करेगा। मगर जो सब-वैरिएंट अभी कोविड-19 मामलों में उछाल ला रहे हैं, उतने खतरनाक नहीं हैं, जिससे किसी तबाही की आशंका हो।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर गुजरात के एक परिवार की मौत की जांच करेंगी एएचटीयू

गांधीनगर। गुजरात की सीआईडी-क्राइम की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिक यूनिट (एएचटीयू) अमेरिका-कनाडा सीमा पर राज्य के एक परिवार के चार सदस्यों की मौत की जांच करेगी। सीआईडी के एक शीर्ष अपराध अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कनाडा की क्यूबेक-न्यूयॉर्क सीमा पर सेंट लॉरेंस नदी में अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास करते समय चार लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान मेहसाणा जिले के मानेकपुर कभला गांव निवासी प्रवीण चौधरी, उसकी पत्नी दक्ष, बेटा मीत और बेटी विधि के रूप में हुई है। इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई, चार गुजरात से और इतने ही कनाडा के पासपोर्ट वाले रोमेनियन थे। कलोल जिले के डिंगुचा के चार लोगों के एक परिवार की कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करते समय ठंड लगने से मौत हो जाने के बाद यह घटना पिछले साल की तरह की तीसरी घटना है। हादसे के बाद राज्य प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीआईडी अपराध के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि घटना की जांच सीआईडी अपराध की एएचटीयू इकाई को सौंपी गई है। अधिकारियों ने कहा, हम इस मामले को सुलझाने के लिए मृतक के वीजा और यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने के लिए कनाडा के अधिकारियों के पास पहुंचे हैं। परिवार के आग्रह के बावजूद कि वे प्रवीण चौधरी और उनके परिवार की अमेरिका जाने की योजना से अनजान थे। सीआईडी अपराध, स्थानीय पुलिस और गुजरात एटीएस की कई टीमों ने अवैध आप्रवासन रैकेट का पदाफाश करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। रैकेट के सरगना बॉबी पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

भाजपा सांसद साक्षी महाराज बोले- प्रधानमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

उन्नाव। सांसद साक्षी महाराज ने पीएम का अपमान बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है। बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और उन्नाव जिले के सांसद साक्षी महाराज ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने सभी सवालों का बेबाकी से जवाब भी दिया। साक्षी ने नई लोकसभा के बारे में इशारों में कहा कि जब जनसंख्या बढ़ रही है तो सांसद भी बढ़ेंगे। साक्षी महाराज ने जनसंख्या नियंत्रण कानून के सवाल पर कहा कि यह सरकार के एजेंडे में है। कई कानून बने हैं। अब उसका भी नंबर आएगा। सरकार के पास एक नहीं कई काम होते हैं। साक्षी महराज से जब पूछा गया कि राहुल गांधी 2024 में कितना बड़ा चैलेंज साबित होंगे बीजेपी के लिए। इस पर साक्षी ने कहा की उनका नाम कहीं से युक्त संगत नहीं है। उनके समय में उनका पीएम हाथ जोड़कर खड़ा रहता था। इसके साथ ही कहा की वह हमारे पीएम पर अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। इस पर उनको सजा हो गई है, जिसको लेकर पूरा देश आंदोलित हो गया था। पिछड़े काफी नाराज हो गए थे क्योंकि मोदी जी पिछड़े जाति से आते हैं। साक्षी महाराज ने कहा कि मोदी जी महान है पीएम का अपमान करना राष्ट्र का अपमान होता है। साक्षी ने राहुल के हालिया बयान पर कहा की रस्सी जल गई लेकिन ऐठन नहीं गई। सीटें बढ़ने को लेकर उन्होंने कहा ?कि नई लोकसभा में दोगुनी सीटें लगाई गई हैं। इस पर उन्होंने इशारों में कहा कि जब जनसंख्या बढ़ रही है तो सांसद भी बढ़ेंगे। यह सरकार की सोच होगी। उन्होंने कहा कि मैं साक्षी जरूर हूं लेकिन इतना साक्षात देख सकूं यह नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही यह भी कहा बढ़ी हुई संख्या में मैं कुछ कहूं या उचित नहीं है जो सरकार की नीति होगी वही वह करेगी। उन्नाव से चुनाव लडूंगा नहीं तो हरिद्वार आश्रम में आराम करूंगा। इस पर साक्षी ने कहा कि इस पर गलत मतलब निकाला गया। हम सरकार से नाराज नहीं हैं। उन्नाव की जनता हमें बहुत प्रेम करती है और हमें रिकार्ड तोड़ मतों से जिताया भी है।

चीन की हरकत : अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम चीनी, तिब्बती व पिनियन भाषा में की जारी

-भारत ने कहा- नाम बदलने से नहीं बदलेगी हकीकत, अरुणाचल हमारा अभिन्न अंग

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ चीन हरकतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, भारत के विरुध्द नए-नए हथकंडे अपना रहा है। चीन ने एक बार फिर चालबाजी दिखाते हुए अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नामों की लिस्ट चीनी, तिब्बती और पिनियन भाषा में जारी की है। रविवार को चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नामों की लिस्ट जारी की। इन 11 स्थानों में से दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पार्वती चोटियां और दो नदियां शामिल हैं। वहीं चीन की इस हरकत पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न, अविच्छेद्य अंग है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि आविष्कार किए गए नामों को सौंपने का प्रयास वास्तविकता को नहीं बदलेगा।

सीतारमण अपने गांव पहुंचीं तो महिलाओं ने रसोई गैस सस्ता करने लगाई गुहार

- वित्तमंत्री ने कहा- रसोई गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार पर होती है तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गृहिणियों ने घेर लिया और कहा कि रसोई गैस की कीमतें ज्यादा हैं, जिन्हें कम किया जाना चाहिए। महिलाओं के इस अनुरोध पर वित्त मंत्री ने उन्हें संतुष्ट करने के लिए अपना लॉजिक दिया और बताया कि रसोई गैस क्यों महंगी हो गई है और कब इसके दामों में कमी आ सकती है। वित्त मंत्री तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के पाजहियसीवरम गांव पहुंची थीं। यहां से उन्होंने 2024 के आम चुनावों के लिए 'वॉल टू वॉल' अभियान की शुरुआत की। इसी अभियान की शुरुआत के दौरान ये वाकया हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सामने पाकर महिलाओं ने उनसे रसोई गैस को सस्ता करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही रसोई गैस की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी और एक फिल्ड सिलेंडर की कीमत 1100 रुपये हो गई है। अपने गांव के दौरे पहुंचीं यूनियन वित्त मंत्री ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनसे पूछा कि क्या वे सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उसके बाद घरेलू महिलाओं के एक ग्रुप ने उनसे रसोई गैस से संबंधित बातचीत की। उनका एक ही सवाल था कि रसोई गैस की कीमतों में कटौती की जाए, ताकि उनका बजट न बिगड़े। इसी मांग को लेकर गांव की तमाम महिलाओं ने निर्मला सीतारमण को काफी देर तक घेरे रखा। निर्मला सीतारमण ने महिलाओं को जवाब देते हुए कहा कि रसोई गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार द्वारा तय की जाती है। हमारे देश में रसोई गैस नहीं है। हम इसे केवल आयात कर रहे हैं, हम जब इसे आयात करते हैं, अगर वहां कीमत बढ़ती है तो यहां भी कीमत में वृद्धि हो जाती है। इसी तरह यदि वहां कीमतों में कमी होगी तो यहां भी कीमतें कम हो जाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि हालांकि पिछले 2 सालों में कीमतें ज्यादा कम नहीं हुई हैं।

वित?तमंत्री गांव की महिलाओं से बातचीत के बाद भारतीय जनता पार्टी के फंक्शनरी रेजिडेंस में पहुंचीं, जहां उन्होंने कमल के फूल के निशान को पेंट किया और चुनावी

अभियान की शुरुआत की। वित्तमंत्री ने लोकसभा चुनाव 2024 के अभियान की शुरुआत को 'वॉल टू वॉल' थीम का नाम दिया है। इसका मकसद हर गांव में दीवार पर भाजपा के चुनाव अभियान का प्रचार उकेरना है।

जहां भाजपा हारती है, वहां हिंसा जरुरी कराती है : संजय राउत

मुंबई। पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा को लेकर महाराष्ट्र के नेता संजय राउत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है। ?हिंसा को लेकर इन दिनों राजनीतिक वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। भाजपा पश्चिम बंगाल हिंसा पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साध रही है। तो वहीं मुख्यमंत्री की ओर से भी हिंसा को लेकर भाजपा को जिम्मेदार बताया जा रहा है। इन सब के पीछे उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत का बड़ा बयान आया है। संजय राउत ने साफ तौर पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां वह हारती है, हिंसा कराने की कोशिश करती है। अपने बयान में संजय राउत ने कहा कि कौन सा मुख्यमंत्री चाहेगा कि उसके राज्य में दंगे हों? पश्चिम बंगाल की स्थिति बिगाड़ने का काम वहां का विपक्षी दल भाजपा कर रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि यह उनका मॉडल बन गया है कि जहां भी उनके हारने की स्थिति होती है वह दंगे कराती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार में सब जगह भाजपा हार रही है और यही डर उनको सता रहा है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हुगली जिले के रिशरा का दौरा किया, जहां कल पथराव हुआ था।

हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत अहम, डिग्री का क्या काम: अजीत पवार

-प्रधानमंत्री के डिग्री पर सवाल किए जाने पर एनसीपी नेता ने दिया बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे को दिया और कहा कि देश में महंगाई तथा युवाओं के लिए रोजगार प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। पवार की टिप्पणी सहयोगी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) से अलग है, जिसके नेता संजय राउत ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उनकी डिग्री को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता का मुद्दा उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि 2014 के आम चुनाव में क्या लोगों ने उनकी डिग्री देखकर उन्हें (मोदी को) वोट दिया था? 2014 में उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक ऐसा करिश्मा, जो भाजपा के पास नहीं था। इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी साहब को दिया जाना चाहिए। गुजरात उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था।

अदालत ने केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पवार ने कहा कि वहां डिग्री का क्या काम है? अभी तक हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत को अहम माना जाता है। 543 सीट (लोकसभा में) में जिसके पास बहुमत होता है, वह सरकार का प्रमुख बनता है। इसी तरह हमारे राज्य में जो (कुल 288 विधानसभा सीटों में से) 145-146 विधानसभा सीटें जीतता है, वह मुख्यमंत्री बनता है।

पवार ने कहा कि वह (मोदी) नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने देखा है कि उनकी या अन्य मंत्री की (शैक्षणिक) डिग्री का मुद्दा उठाया गया। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी जरूरी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। युवाओं के मुद्दों, राज्य के विभिन्न विभागों में 75 हजार सीटें भरने की घोषणा, किसानों और मजदूरों के मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि कोई भी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। राकांपा के नेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस (मोदी की शैक्षणिक डिग्री) मुद्दे को महत्व दिया जाना चाहिए।

सरकारी बंगला खाली करने पर राहुल को संत ने दिया अयोध्या आने का न्योता

अयोध्या। मानहानि मामले में सजा होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता भी छीन ली गई। इसके बाद उनसे दिल्ली का सरकारी बंगला खाली करने को भी कह दिया गया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी के समर्थन में कई कैंपेन शुरू किए हैं। इसमें से एक मेरा घर राहुल गांधी का घर भी है। इसी बीच अयोध्या में हनुमानगढ़ी से जुड़े एक संत ने राहुल गांधी को अयोध्या आकर रहने का ऑफर दिया है। अखिल भारतीय संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास ने कहा है कि अगर वह अयोध्या में आकर रहना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। वह आकर हनुमानगढ़ी परिसर में भी रह सकते हैं। संजय दास ने कहा कि अगर आवास खाली करने के बाद राहुल गांधी के पास रहने की जगह ना हो तो उनके लिए हनुमान जी के दरबार के द्वार खुले हुए हैं। वह यहीं आकर रहें और हनुमान जी के दर्शन भी करें। संजय दास के इस बयान के बाद तरह-तरह के कयास लगने लगे हैं।

चीन को पीएम की क्लीन चिट देने की कीमत चुका रहा है देश : जयराम रमेश

-अरुणाचल में 11 स्थानों के नाम की सूची चीन के जारी करने पर कांग्रेस नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजिंग द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों का नाम बदलने के बाद मंगलवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देश जून 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की कीमत चुका रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्विटर पर कहा कि यह जून 2020 में पीएम मोदी द्वारा चीन को दी गई क्लीन चिट की कीमत है। लगभग तीन साल बाद चीनी सेना हमारे गश्ती दल को डेपसांग मैदानों तक जाने से रोक रही है, जहां तक हमारी पहले पहुंच थी और अब चीन अरुणाचल प्रदेश में हमारी स्थिति को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक शीर्ष चीनी राजनयिक ने हाल ही में दावा किया था कि भारत-चीन सीमा की स्थिति अब स्थिर है, लेकिन चीन के उकसावे और अतिक्रमण जारी हैं। इसने अब अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के लिए चीनी नामों का तीसरा सेट जारी किया है, ऐसा पहले 2017 और 2021 में किया था।

जयराम ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के लोग भारत के गौरवशाली और देशभक्त नागरिक हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए भारत और सभी भारतीयों के सामूहिक संकल्प पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। भारतीय राज्य पर अपने दावे पर फिर से जोर देने के अपने प्रयासों के तहत चीन ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में उन 11 स्थानों की सूची जारी की, जिनके नाम उसने बदल दिए हैं। सरकार ने इस दावे को खारिज करते हुए अरुणाचल को भारत का अभिन्न अंग बताया।

हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत अहम, डिग्री का क्या काम : अजीत पवार

-प्रधानमंत्री के डिग्री पर सवाल किए जाने पर एनसीपी नेता ने दिया बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे को दिया और कहा कि देश में महंगाई तथा युवाओं के लिए रोजगार प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। पवार की टिप्पणी सहयोगी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) से अलग है, जिसके नेता संजय राउत ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उनकी डिग्री को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता का मुद्दा उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि 2014 के आम चुनाव में क्या लोगों ने उनकी डिग्री देखकर उन्हें (मोदी को) वोट दिया था? 2014 में उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक ऐसा करिश्मा, जो भाजपा के पास नहीं था। इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी साहब को दिया जाना चाहिए। गुजरात उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था।

अदालत ने केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पवार ने कहा कि वहां डिग्री का क्या काम है? अभी तक हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत को अहम माना जाता है। 543 सीट (लोकसभा में) में जिसके पास बहुमत होता है, वह सरकार का प्रमुख बनता है। इसी तरह हमारे राज्य में जो (कुल 288 विधानसभा सीटों में से) 145-146 विधानसभा सीटें जीतता है, वह मुख्यमंत्री बनता है।

पवार ने कहा कि वह (मोदी) नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने देखा है कि उनकी या अन्य मंत्री की (शैक्षणिक) डिग्री का मुद्दा उठाया गया। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी जरूरी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। युवाओं के मुद्दों, राज्य के विभिन्न विभागों में 75 हजार सीटें भरने की घोषणा, किसानों और मजदूरों के मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि कोई भी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। राकांपा के नेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस (मोदी की शैक्षणिक डिग्री) मुद्दे को महत्व दिया जाना चाहिए।

बंगाल की कानून व्यवस्था पर गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट, सुकांत मजूमदार ने अमित शाह को लिखा था पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने बंगाल सरकार से राज्य में बढ़ती हिंसा और राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। यह भाजपा के बंगाल प्रमुख सुकांत मजुमदार द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'राम भक्तों, आम हिंदू लोगों और रामनवमी के जुलूसों के दौरान हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हाल ही में हुई हिंसा' के बारे में लिखे जाने के बाद आया है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में पुलिस ने निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए लगातार दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को हुगली जिले के दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा करने से रोक दिया। जिले के कई स्थानों पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-144 के तहत निषेधाज्ञा लागू है, जहां रविवार को रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गयी थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह दंगाइयों को बच कर भागने नहीं देंगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान हिंसा करा कर भगवान राम के नाम को बदनाम किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान हुगली और हावड़ा जिलों में हिंसा की घटनाएं हुई हैं। ममता ने कहा, 'हुगली और हावड़ा में हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ है।

'नीतीश और तेजस्वी मुसलमानों में डर पैदा करना चाहते हैं', ओवैसी बोले-

दंगे के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामनवमी के दिन बिहार के 2 जिलों में शुरू हुई हिंसा को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। बिहार के सासाराम और नालंदा में हिंसा हुई थी। इसको लेकर विपक्ष राज्य की नीतीश सरकार पर निशाना साधा रहा है। इन सब के पीछे एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर इसके लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि दंगे को रोकना राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है और यह काम करने में नीतीश कुमार विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी किसी राज्य में हिंसा होती है तो इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार पर आती है।

ओवैसी ने कहा कि बिहारशरीफ में मदरसा अजीजिया को आग के हवाले किया गया, मुस्लिमों

की दुकानों को निशाना बनाया गया - इसके पीछे साजिश है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जानते थे कि नालंदा एक संवेदनशील जिला है, फिर भी वहां अशांति थी। उन्होंने कहा कि बरसों से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार इसे रोक नहीं पाए हैं। मैं नीतीश कुमार और राजद सरकार के व्यवहार की निंदा करता हूं कि वे इस मदरसे को जलाने और मस्जिद पर हमले को रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दंगे के लिए नीतीश को कोई पछतावा नहीं है, उन्होंने कल इफ्तार में भी शिरकत की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश और तेजस्वी राज्य में मुसलमानों में डर पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि नीतीश और तेजस्वी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा क्यों नहीं किया।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह राज्य सरकारों की विफलता है, चाहे वह पश्चिम बंगाल सरकार हो या बिहार सरकार, या फिर कर्नाटक में इदरीस पाशा की मॉब लिंचिंग। सरकार क्या कर रही थी? उन्होंने दावा किया कि बिहार में मुसलमानों की संपत्तियों को लक्षित तरीके से जलाया गया था।

डीबीटी ने बनाया रिकॉर्ड, 2 साल में 13 सौ करोड़ का लेन-देन, ट्रांसफर की गई 12.5 लाख करोड़ की राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार की डायरेक्ट बेनफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना के तहत पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान 13 सौ करोड़ के लेन-देन के जरिये लाभार्थियों को लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड रकम ट्रांसफर की गई। यह राशि वर्ष 2014 के बाद से हुए कुल डीबीटी ट्रांसफर का लगभग 44 प्रतिशत है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में लगभग 6.17 लाख करोड़ रुपये लोगों को ट्रांसफर किए गए। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 6.3 लाख करोड़ रुपये से ट्रांसफर किए गए थे। यह इससे पहले के वित्तीय वर्षों की तुलना में एक लंबी छलांग थी, जब कोविड-19 महामारी से पहले वित्तीय वर्ष 2019-20 में डीबीटी के तहत लोगों को 3.82 लाख करोड़ रुपये भेजे गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीबीआई अधिकारियों को अपने संबोधन के दौरान डीबीटी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि एक प्रधानमंत्री ने तो कहा था, एक रुपया जाता है 15 पैसा पहुंचता है, 85 पैसों की चोरी होती थी। पिछले दिनों मैं सोच रहा था कि हमने डीबीटी के द्वारा करीब 27 लाख करोड़ रुपये लोगों तक पहुंचाए हैं। अगर उस हिसाब से देखा जाए तो 27 लाख करोड़ में से करीब-करीब 16 लाख करोड़ कहीं चले गए होते।

पीएम ने इसके साथ ही कहा कि आज की ट्रिनिटी से हर लाभार्थी को उसका पूरा हक मिल रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार को सीबीआई के कार्यक्रम में कहा कि इस व्यवस्था से 8 करोड़ से अधिक फर्जी लाभार्थी सिस्टम से बाहर हुए हैं, जो बेटी पैदा नहीं हुई वो विधवा हो जाती थी और विधवा पेंशन चलता था। डबीटी से देश के करीब सवा 2 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। पिछले वित्त वर्ष में जहां लगभग 587 करोड़ तो वहीं 2021-22 में 717 करोड़ डीबीटी ट्रांजेक्शन किए गए थे। भारत ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक कुल करीब 29 लाख करोड़ रुपये का डीबीटी ट्रांसफर किया है, जिनमें से 44 प्रतिशत पिछले दो वर्षों में थे।

केंद्र सरकार ने सरकारी सहायता के गलत हाथों में जाने पर अंकुश लगाने के लिए डीबीटी के तहत योजनाओं की संख्या में वृद्धि की है। वर्ष 2022-23 में केंद्र ने गरीब लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपये का राशन बांटा। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 2.17 लाख करोड़ रुपये था। यह बड़े पैमाने पर केंद्र द्वारा चलाई जा रही मुफ्त राशन योजना, पीएम अन्न योजना के कारण यह आंकड़ा था, जो कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई थी।

डीबीटी के तहत पिछले वित्तीय वर्ष में सबसे बड़ा भुगतान उर्वरक सब्सिडी के लिए किया गया था, जो 2021-22 में 1.23 लाख करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 2.06 लाख करोड़ हो गया। इसकी तुलना में 2019-20 में पीडीएस के तहत डीबीटी भुगतान 0.8 लाख करोड़ रुपये और उर्वरक के तहत 0.46 लाख

करोड़ रुपये रहा था। वर्तमान में केंद्र सरकार की 310 योजनाएं डीबीटी के दायरे में आती हैं। सरकार का कहना है कि उसने विभिन्न योजनाओं के तहत फर्जी लाभार्थियों को हटाकर डीबीटी के माध्यम से लगभग 2.73 लाख करोड़ रुपये बचाए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोपेड सवार तीन लोगों ने लिंबायत मनी ट्रांसफर ऑफिस में दिनदहाड़े लूट

बंदूक की नोक पर लूट सीसीटीवी में कैद, मनी ट्रांसफर ऑफिस से ढाई लाख रुपये लूटे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत गोदादरा रोड इलाके में स्थित मनी ट्रांसफर ऑफिस में लूट की घटना सामने आई है। चेहरे पर रुमाल बांधे तीन व्यक्तिमोपेड पर मनी ट्रांसफर कार्यालय में दाखिल हुए। उसके बाद चालीस लुटेरे मनी मैनेजर को तमंचे दिखाकर भाग गए। पूरी घटना कार्यालय के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एक पुलिस अधिकारी सहित काफिला मौके पर पहुंचा और मैनेजर की तहरीर के आधार पर लूट का मामला दर्ज कर पुलिस तीनों को पकड़ने के लिए हरकत में आ गई.

गुजरात की आर्थिक राजधानी लिंबायत सूरत में दिनदहाड़े हुई डकैती अब क्राइम कैपिटल बनने की राह पर है. शहर के अलग-अलग इलाकों में आए दिन लूट और चोरी जैसी अपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में शहर के लिंबायत थाना क्षेत्र से लूट की एक और घटना सामने आई है. इस बार लुटेरों ने मनी ट्रांसफर ऑफिस को निशाना बनाया और तीनों लुटेरे बंदूक की नोंक पर ढाई से तीन लाख रुपये नकद लूट कर फरार हो गए.

मोपेड पर सवार तीन लुटेरे आज दोपहर सूरत शहर के लिंबायत-गोदादरा रोड इलाके में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहक सेवा केंद्र पर आए. पैसे ट्रांसफर करने के बहाने तीन लुटेरे यहां पहुंचे। जहां मनी ट्रांसफर के मैनेजर सत्यलाल मौर्या ने मनी ट्रांसफर की बात कही। बाद में मैनेजर से बात करते हुए तीन में से दो लुटेरों ने अपनी रिवाल्वर निकालकर उसके सिर पर दे मारी। उसके बाद ऑफिस के बॉक्स में रखा कैश ढाई लाख रुपये लेकर फरार हो गया.

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई,तीनों लुटेरे दिनदहाड़े बंदूक की नोंक पर भागे तो लोगों और मैनेजर ने भी उनका पीछा किया. लुटेरे लूट करने के लिए आने से पहले और लूटपाट के बाद भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गए। जिसमें लुटेरे फरार होने वाले थे। तभी वह भी मोपेड से गिर गया। इसी दौरान दुकान के मैनेजर व आसपास के लोगों ने भी लुटेरों पर पथराव कर दिया. लेकिन जिस दर से उसके पास हथियार था, लोग उसके पास जाने से डरते थे। हालांकि, इन सबके बीच लुटेरे साहसपूर्वक ढाई लाख रुपये लूटकर फरार हो गए।

पुलिस को घटना की सूचना देने के लिए एक आला पुलिस अधिकारी सहित काफिला घटना स्थल पर पहुंचा। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लिंबायत पुलिस के अलावा संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रवीण मल, डीसीपी, एसीपी सहित पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। घटना के संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रवीण मल ने बताया कि मोपेड पर सवार तीन लोगों द्वारा मनी ट्रांसफर के बहाने आज बैंक ऑफ बड़ौदा के एक मनी ट्रांसफर एजेंट के कार्यालय में लूट करने का मामला सामने आया है. मनी ट्रांसफर के मैनेजर से बंदूक की नोंक पर ढाई लाख रुपये लूटकर तीन इस्माओ फरार हो गए। तीनों लुटेरे सीसीटीवी में कैद हो गए।

घटनास्थल से जिंदा कारतूस भी मिले हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त प्रवीण मल्ल ने आगे कहा कि तीनों लुटेरों ने बंदूक की नोक पर मनी ट्रांसफर मैनेजर को लूट लिया और फरार हो गए। उसी दौरान दो कारतूस भी गिरे। मनी ट्रांसफर कार्यालय से दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है. पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ले ली है। फिलहाल पुलिस ने पैसे ट्रांसफर करने वाले की शिकायत पर डकैती का मामला दर्ज कर लिया है और तीनों लुटेरों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन कर दिया है.

मनी ट्रांसफर के मैनेजर सत्यलाल मौर्या ने बताया कि आज करीब तीन लोग मुंह में रुमाल बांधकर पैसे ट्रांसफर करने कार्यालय आए। दरवाजे के पास एक युवक खड़ा था और दो युवक कार्यालय के अंदर आए और पैसे ट्रांसफर करने को कहा। मोबाइल नंबर और खाता नंबर की बात की तो वह गूगल पे से पैसे ट्रांसफर करना बता रहा था। यह कहकर कि यह काम नहीं कर रहा है, उसने तुरंत बंदूक जैसा हथियार निकाला और दोनों लुटेरों ने मेरे सिर पर बंदूक रख दी। इसके बाद कार्यालय में रखे बॉक्स को खोलकर दो से ढाई लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गये. दोनों युवकों ने लूटपाट की तो तीसरे युवक ने भी कार्यालय का दरवाजा बंद कर लिया। इसी दौरान रुपए ले जाते समय उनके साथ मारपीट की गई और उनके पास रखे कारतूस भी दुकान में गिर गए। भागते समय वे सड़क पर गिर पड़े।

मोपेड पर सवार तीन लुटेरे दोपहर सूरत शहर के लिंबायत-गोदादरा रोड इलाके में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहक सेवा केंद्र पर आए. पैसे ट्रांसफर करने के बहाने तीन लुटेरे यहां पहुंचे। जहां मनी ट्रांसफर के मैनेजर सत्यलाल मौर्या ने मनी ट्रांसफर की बात कही। बाद में मैनेजर से बात करते हुए तीन में से दो लुटेरों ने अपनी रिवाल्वर निकालकर उसके सिर पर दे मारी। उसके बाद ऑफिस के बॉक्स में रखा कैश ढाई लाख रुपये लेकर फरार हो गया.

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, तीनों लुटेरे दिनदहाड़े बंदूक की नोंक पर भागे तो लोगों और मैनेजर ने भी उनका पीछा किया. लुटेरे लूट करने के लिए आने से पहले और लूटपाट के बाद भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गए। जिसमें लुटेरे फरार होने वाले थे। तभी वह भी मोपेड से गिर गया। इसी दौरान दुकान के मैनेजर व आसपास के लोगों ने भी लुटेरों पर पथराव कर दिया. लेकिन जिस दर से उसके पास हथियार था, लोग उसके पास जाने से डरते थे। हालांकि, इन सबके बीच लुटेरे साहसपूर्वक ढाई लाख रुपये लूटकर फरार हो गए।

अमित शाह 6 अप्रैल को आएंगे गुजरात, भाजपा के स्थापना दिवस के कार्यक्रमों में होंगे शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आगामी 6 अप्रैल को गुजरात आ रहे हैं। 6 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव है और इस अवसर पर अमित शाह बोटाद के सारंगपुर स्थित संकट मोचक मंदिर में दर्शन करेंगे। 6 अप्रैल को भाजपा के 43वें स्थापना दिवस के मौके पर अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह शिरकत करेंगे। अहमदाबाद में गुजरात भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ अमित शाह बैठक भी करेंगे। 6 अप्रैल से 14 अप्रैल के दौरान भाजपा सेवा सप्ताह मनाएगी। बता दें कि बीते दिन अहमदाबाद में हुए संत सम्मेलन में संघ प्रमुख मोहन भागवत और गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहे थे। जिसके बाद मोहन भागवत और अमित शाह के बीच करीब एक घंटे तक बैठक हुई थी। फिर एक बार 6 अप्रैल को अमित शाह गुजरात आ रहे हैं। अमित शाह जब कभी भी गुजरात आते हैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी लेते हैं। हर तीन महीने या छह महीने में अपने निर्वाचन क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की समीक्षा भी करते हैं। आगामी 6 अप्रैल गुजरात आ रहे अमित शाह अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा भी कर सकते हैं। साथ ही सरकार और भाजपा संगठन के साथ बैठकें भी करेंगे।

डांग जिला भाजपा के 8 और पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा, तीन दिन में 13 ने पार्टी छोड़ी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात के डांग जिला भाजपा संगठन में आज और 8 पदाधिकारियों के इस्तीफे से राजनीतिक भूकंप आ गया है। पिछले 3 तीनों के भीतर डांग जिला भाजपा प्रमुख समेत अब तक कुल 13 पदाधिकारी अपना इस्तीफा दे चुके हैं। जिला भाजपा प्रमुख दशरथ पवार ने सबसे पहले इस्तीफा दिया था और उसके उनके समर्थन में एक के बाद एक कर 13 इस्तीफे अब तक हो चुके हैं। आज इस्तीफा देने वाले पदाधिकारियों में डांग जिला भाजपा उप प्रमुख दक्षा पटेल, आहवा तहसील आदिजाती मोर्चा के प्रमुख नरेश वळवी, डांग जिला अनुसूचित मोर्चा के उप प्रमुख राहुल बच्छाव, आहवा तहसील महिला मोर्चा की प्रमुख रेखा पटेल, डांग जिला अनुसूचित मोर्चा के उप प्रमुख तुषार खरे, आहवा तहसील अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रमुख मोर्चा के प्रमुख हर्मेंत खरे, आहवा तहसील अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महामंत्री आमीन शाह और वघई तहसील भाजपा प्रभारी संजय पाटील ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। डांग जिला भाजपा के 8 पदाधिकारियों के इस्तीफे से पार्टी में हड़कम्प मच गया है। इस्तीफे की शुरुआत करने वाले डांग जिला भाजपा प्रमुख दशरथ पवार ने कहा कि पिछले दो महीने से भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहा था, लेकिन उनकी बातों को नजरअंदाज करने से उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। भाजपा में रहकर घुटन महसूस करने से बेहतर इस्तीफा देना बेहतर समझा और इसीलिए स्वैच्छा से पार्टी के जिला प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया।

ड्रेनेज लाइन साफ करने गटर में उतर रहे तीन सफाईकर्मियों की मौत, एक उपचाराधीन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरुच,जिले के दहेज ग्राम पंचायत की 25 फूट गहरी गटर में सफाई के लिए उतर रहे तीन श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि एक श्रमिक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्रेनेज लाइन की सफाई के लिए श्रमिकों को बगैर किसी सुरक्षा साधनों के गटर में उतारा गया था। घटनास्थल पर पहुंची दहेज पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले की दहेज ग्राम पंचायत की अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन की सफाई करने 30 वर्षीय गलसिंग वरसिंगभाई मुनिया, 30 वर्षीय परेश खुमानसिंह कटार, 24 वर्षीय अनिफ जालुभाई परमार, 20 वर्षिय भावेश खुमानसिंह कटार और 18 वर्षीय जिग्नेश अरविंद परमार नामक चार कर्मचारी एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर गटर में उतर रहे थे। उस वक्त एक का हाथ छूटने से वह सीधे गटर में जा गिरा। जिसे बचाने के प्रयास में एक बाद एक अन्य तीनों में गटर में जा गिरे। तीनों की गटर में दम घुटने से मौत हो गई। फायर विभाग की टीम ने गटर में पड़े तीनों श्रमिकों के शव को रस्सी से बांधकर बाहर निकाला और पोस्ट मार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। इस घटना में 18 वर्षीय जिग्नेश अरविंद परमार को बचा लिया गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक चारों श्रमिकों को बगैर किसी सैफ्टी साधन के गटर में उतारा जा रहा था। आश्चर्य की बात है कि ग्राम पंचायत के सरपंच को श्रमिकों के गटर में सफाई के लिए उतरने की कोई जानकारी नहीं थी। ग्राम पंचायत ने किसी को गटर की सफाई करने को नहीं कहा था। सवाल यह है कि बगैर ग्राम पंचायत के सरपंच या तलाटी की मंजूरी के बगैर कौन सफाई के लिए गटर में उतरेगा? फिलहाल दहेज पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की है।

सूरत में कार चालक ने सब्जी के लॉरी को पीछे से रौंदा,गंभीर चोटों से मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

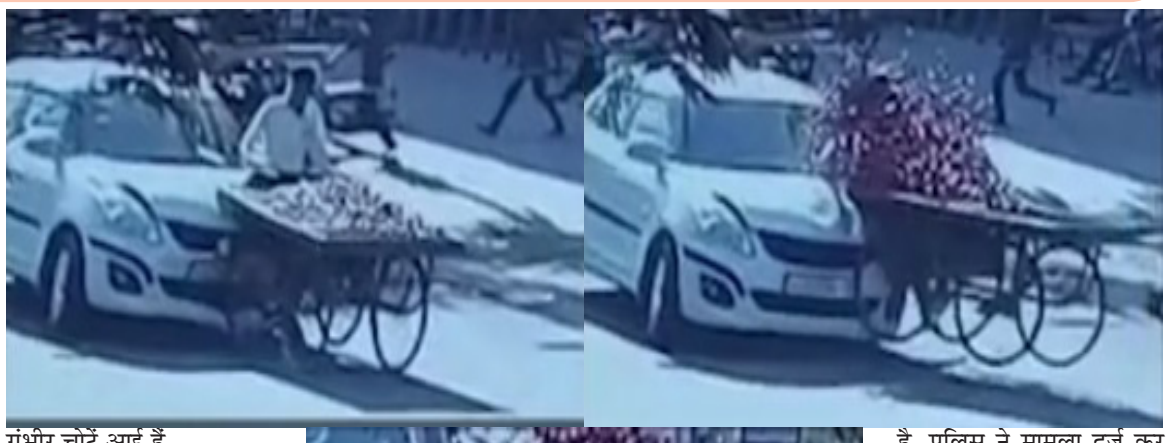

सूरत शहर में आए दिन हादसों की घटनाएं सामने आती रहती हैं। तभी डिंडोली इलाके में हिट एंड रन की घटना हुई। परिवार की आर्थिक मदद के लिए सब्जी की लॉरी चला रहे युवक को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी और उसकी मौत हो गयी. उधर, पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। यह सीसीटीवी फुटेज रोंगटे खड़े कर देने वाला है। उधर, बेटे की मौत से परिवार में मातम का माहौल है।

सूरत के डिंडोली इलाके में रहने वाले वसंतलाल मेवालाल गुप्ता सब्जी कारोबारी हैं. उनके 4 बच्चे हैं। इनमें 22 वर्षीय अंकित ने भी सब्जी की लॉरी चलाकर परिवार की आर्थिक मदद की। बीते रविवार अंकित डिंडोली स्थित राजद प्लाजा के पास से सब्जियों की लॉरी लेकर गुजर रहे थे, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनके सिर, पैर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं.

घटना के बाद स्थानीय लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। डिंडोली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की जहां दूसरी ओर लोगों ने 108 पर कॉल कर घायल अंकित को तुरंत उपचार के लिए स्मीर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिवार की आर्थिक मदद कर रहे उनके लाडले बेटे की अचानक एक दुर्घटना में मौत हो गई, परिवार में मातम छा गया। उधर, जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया और चालक फरार हो गया, उसे लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखा गया और समाज के लोगों में भी काफी गुस्सा देखा गया. मृतक युवक के समर्थन में बड़ी संख्या में परिजन, स्थानीय लोग व समुदाय के नेता एकत्रित हुए और डिंडोली थाने पर विरोध प्रदर्शन किया. हालांकि घटना को लेकर मृतक अंकित के पिता ने चालक के खिलाफ डिंडोली थाने में तहरीर दी है. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। लेकिन पुलिस अभी तक चालक तक नहीं पहुंच पाई है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। हादसे का चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें साफ देखा जा सकता था कि २२ वर्षीय अंकित सब्जियों की लॉरी लेकर गुजर रहा था और बाद में जब चालक ने उसे टक्कर मारी तो वह जमीन पर गिर पड़ा और उसकी लॉरी के सारे हिस्से बिखर गए। अब इस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

एक घर पर लगे 'शराब यहां नहीं बगल में मिलती है' पोस्टर ने पुलिस की उड़ाई नींद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा ,गुजरात में यूं तो पूर्ण शराबबंदी है, इसके बावजूद आए दिन देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है। अगर कोई दावा करता है कि गुजरात में शराब नहीं मिलती तो वह झूठ बोल रहा है। पालनपुर में शराबियों से परेशान होकर एक मकान मालिक ने अपने घर के बाहर एक पोस्टर लगा दिया। जिस पर लिखा था 'शराब यहां नहीं बगल में मिलती है।' इसकी भनक लगते ही पुलिस की नींद उड़ गई और भागी भागी मौके पर पहुंची और मकान पर लगा बोर्ड हटा दिया। बनासकांठा जिले के पालनपुर शहर के दिल्ली गेट क्षेत्र निवासी जीतेन्द्र ठाकोर नामक युवक ने अपने घर के बाहर पोस्टर लगा दिया था कि 'शराब यहां नहीं बगल में मिलती है।' पोस्टर लगाने की वजह यह थी कि जीतेन्द्र ठाकोर के घर के निकट शराब बिकती थी। कई पियक्कड़ जीतेन्द्र घर आकर पूछते थे कि शराब कहां मिलती थी। ऐसी घटनाओं को परेशान होकर जीतेन्द्र अपने घर बाहर बोर्ड लगा दिया।

जीतेन्द्र ठाकोर के घर के बाहर लगा पोस्टर सोशल मीडिया वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई और घटनास्थल पर पहुंच गई।

जहां से 'शराब यहां नहीं बगल में मिलती है' का बोर्ड हटाया और संदेह के आधार पर एक शख्स को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। हांलाकि इस मामले में पुलिस ने कोई केस दर्ज नहीं किया। दूसरी ओर जीतेन्द्र ठाकोर ने भी इस मामले में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। जीतेन्द्र ठाकोर किसी के डर की वजह से कुछ नहीं बोल रहा या अन्य कोई कारण यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है।